संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-134 ■ रायपुर, रविवार 11 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : प्रतिपदा
नक्षत्र : चित्रा
प्रथम करण : किमस्तोगना
द्वितीय करण : बावा
पक्ष : शुक्ल
वार : रविवार
योग : वैधृति
सूर्योदय : 06:23
सूर्यास्त : 17:52
चंद्रमा : कन्या राशि में
राहुकाल : 16:26 - 17:52
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवतः 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:44 - 12:30

चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय में महिला से मारपीट

दुर्ग। बच्चों की सुरक्षा के लिए बने चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय में एक महिला के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है, जहां एक कथित यूट्यूबर ने महिला की लात-घूंसे से पिटाई कर दी। घटना का सीसीटीवी फूटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने शासकीय काम में बाधा और महिला के साथ मारपीट के साथ छेड़छाड़ के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस जांच में जुट गई है। दरअसल, पूरा मामला पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र स्थित महिला बाल विकास विभाग का है। हनु नायक नामक कथित युट्यूबर ने खुद को पत्रकार संघ का अध्यक्ष बताते हुए दुर्ग कलेक्टर को एक पत्र दिया, जिसमें बच्चों से नेशनल हाइवे पर भीख मंगवाने और काम कराने से रोकने की शिकायत की गई। सबंधित विभाग को पत्र मिलने पर चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने नेहरू नगर चौक पर कारों के शीशे साफ कर रही 14-15 वर्षीय किशोरी को संरक्षण में लिया था। इसके बाद 7 अक्टूबर को बच्ची की मां को समझाइश के लिए कार्यालय बुलाया गया और शिकायत कर्ता को भी कार्यालय बुलाया गया। आरोप है कि बच्ची के स्कूल न जाने को लेकर बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया। इसी दौरान यूट्यूबर ने आपा खोते हुए महिला को जमीन पर पटकते हुए थप्पड़ मारे और लात घुसे मारे। इतना ही नहीं, उसने महिला को गांजा रखकर झूठे केस में फंसाने की धमकी भी दी। फुटेज वायरल होते ही चाइल्ड हेल्पलाइन प्रभारी चंद्रप्रकाश पटेल ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

दोस्तों के साथ पहुंचा डैम, नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबा

कोरबा. सुमेधा डैम में दोस्तों की पिकनिक पार्टी उस वक्त मातम में तबदील हो गई, जब 15 साल का नरेश साहू अचानक गहरे पानी में समा गया. घटना के बाद पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची. रातभर तलाशी के बाद शनिवार सुबह नरेश का शव पानी से बाहर निकाला गया. घटना के बाद परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है. जानकारी के अनुसार, अयोध्यापुरी क्षेत्र से चार नाबालिग शुक्रवार शाम करीब सुमेधा डैम घूमने और पिकनिक मनाने पहुंचे थे. मौसम सुहाना होने के चलते सभी दोस्त डैम के किनारे मस्ती करने लगे और पानी में उतरकर नहाने लगे.

सेंध लेक सिटी और इलेशियम क्लब्स की साझेदारी घोषणा एवं अनुबंध हस्ताक्षर समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं से तैयार होंगे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता इन प्रतिभाओं को पहचानने, तराशने और उन्हें विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। राज्य सरकार इसी दिशा में योजनाबद्ध रूप से आगे बढ़ रही है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाएं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के जोरा में आयोजित सेंध लेक सिटी और इलेशियम क्लब्स की साझेदारी घोषणा एवं अनुबंध हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर में प्रस्तावित विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स क्लब की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रदेश में खेल संस्कृति को नई मजबूती मिलेगी और युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर क्लब के संस्थापकों और पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पद्म भूषण से सम्मानित प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक श्री पुलेला गोपीचंद का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय बैडमिंटन को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उनके मार्गदर्शन में अनेक खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। नवा रायपुर में उनकी बैडमिंटन अकादमी की शुरुआत प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का निर्माण भी करते हैं। खेलों में निवेश वास्तव में हमारी युवा पीढ़ी और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य में निवेश है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार खेल अधोसंरचना के विस्तार, प्रशिक्षण सुविधाओं के विकास और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने पर विशेष ध्यान दे रही है।

बस्तर ओलंपिक ने बदली तस्वीर, गांवों से निकलकर मैदान तक पहुंच रहे युवा

मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर ओलंपिक का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आयोजन दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने का सशक्त मंच बना है। बस्तर ओलंपिक के पहले वर्ष में लगभग एक लाख 65 हजार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। दूसरे वर्ष यह संख्या बढ़कर लगभग तीन लाख 91 हजार हो गई। खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी बताती है कि बस्तर के युवाओं में खेलों को लेकर अभूतपूर्व उत्साह है और क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन की नई धारा प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर में आज युवा बंदूक और हिंसा से दूर होकर खेल, शिक्षा, कौशल और रोजगार के माध्यम से अपने भविष्य को संवारने के लिए आगे आ रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि सुदूर गांव की प्रतिभा को भी वही अवसर और मंच मिले, जो बड़े शहरों के खिलाड़ियों को उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में



'खेलो इंडिया' के अंतर्गत राष्ट्रीय जनजातीय खेलों का सफल आयोजन किया गया है। प्रदेश के खिलाड़ी भी लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव तथा एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य संजू देवी की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां अपने परिश्रम और प्रतिभा से प्रदेश का मान बढ़ा रही हैं।

खेल अधोसंरचना के विस्तार के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने खेलों के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए इस वर्ष के बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। केंद्र सरकार की 'खेलो इंडिया' सहित विभिन्न योजनाओं के समन्वय से प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकसित की जा रही है। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, आवश्यक सुविधाएं और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के साथ प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि छत्तीसगढ़ का प्रत्येक प्रतिभाशाली खिलाड़ी, चाहे वह किसी शहर से हो या सुदूर वनांचल से, संसाधनों के अभाव में पीछे न रहे। प्रतिभा को अवसर से जोड़ना और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है।

नक्सलवाद से मुक्ति के साथ बस्तर में खुल रहे विकास के नए द्वार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में मिली ऐतिहासिक सफलता उनकी सरकार के लगभग पौने तीन वर्ष के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। चार दशकों से अधिक समय तक नक्सलवाद ने बस्तर सहित प्रदेश के अनेक क्षेत्रों के विकास को प्रभावित किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान को निर्णायक दिशा मिली है।

उन्होंने सुरक्षा बलों के जवानों के साहस, समर्पण और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि इस परिवर्तन में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की जनता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्थानीय लोगों के विश्वास और सहयोग से आज उन क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, खेल और रोजगार की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'मोदी की गारंटी' के अंतर्गत प्रदेशवासियों से किए गए वादों को पूरा करने के साथ सुशासन और विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

वर्ष 2047 तक 75 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ भी विकसित राज्य बनने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए राज्य की प्राकृतिक संपदा और पारंपरिक सामर्थ्य के साथ नई तकनीक, आधुनिक उद्योग, सेवा क्षेत्र और मानव संसाधन के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा, वनोपज, जल संसाधन और ऊर्जा के क्षेत्र में समृद्ध है। प्रदेश के मेहनतकश लोग हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। इन सभी संभावनाओं का बेहतर उपयोग करते हुए रोजगार, उद्यमिता और निवेश के नए अवसर विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की नई औद्योगिक नीति को देश और विदेश के निवेशकों से उत्साहजनक प्रतिसाद मिल रहा है। हाल ही में सिंगापुर प्रवास के दौरान डेटा सेंटर, कृषि प्रसंस्करण सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। लगभग 15 बड़ी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ आयोजित राउंड टेबल बैठक में निवेशकों ने छत्तीसगढ़ में उद्योग और व्यवसाय स्थापित करने में रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि निवेश बढ़ने से प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सुशासन और तकनीक से बदल रही प्रशासनिक कार्यसंस्कृति

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक केंद्रित प्रशासन के लिए लगातार सुधार कर रही है। सुशासन एवं अभिसरण विभाग की स्थापना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के साथ शासकीय सेवाओं के डिजिटलीकरण को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

सीजेपी के प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री का बयान, कहा- वातावरण अशांत न हो इसलिए सरकार ने उठाए विशेष कदम

रायपुर ■ दैनन्दिनी

काक्रोच जनता पार्टी के दिल्ली में प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि पिछले समय हुए आंदोलन में हजारों की संख्या में असामाजिक तत्व घुस गए थे. सरकार नहीं चाहेगी कि दोबारा ऐसी स्थिति बने और असामाजिक तत्वों के घुसने से वातावरण अशांत हो, इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने विशेष कदम उठाए हैं. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसके साथ गन्ने की कीमत बढ़ाने पर कहा कि कवर्धा में किसान आंदोलित थे. कवर्धा गन्ना उत्पादक क्षेत्र है. किसान नेताओं से मुलाकात में गन्ने की कीमत को लेकर चर्चा हुई. पहले गन्ने की कीमत 355 रुपये प्रति क्विंटल थी, जिसे बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है, इसके बाद किसानों ने अपनी हड़ताल समाप्त कर दी है.



वहीं चरणदास महंत के एक नहीं थे बंटे थे, इसलिए चुनाव हारे. अब हम एक हैं. 2028 में चुनाव जीतकर आएंगे. इस पर सीएम साय ने कहा कि यह ख्याली पुलाव है, वे सपना देखते रहें. एक समय था, जब कांग्रेस पूरे देश में एकछत्र राज करती थी, लेकिन उनकी कथनी और करनी में अंतर है. लोगों को धोखा देने, झूठ और फरेब की वजह से कांग्रेस लगातार सिमटती जा रही है. आने वाले समय में कांग्रेस की स्थिति ऐसी हो जाएगी कि वे ढूंढने से भी नहीं मिलेंगे, इसलिए वे सपना देखते रहें.

कांग्रेस पहले सोनिया पर जवाब दें : ओपी चौधरी

वहीं सीजेपी के प्रोटेस्ट को लेकर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि असामाजिक तत्वों ने विदेशी ताकतों के साथ मिलकर भारत को कमजोर करने की साजिश की है.

इसी आशंका को ध्यान में रखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है. कांग्रेस को इस मामले में जवाब देना चाहिए. सोनिया गांधी भारत की नागरिक बनने से पहले वोटर बन गई थी. इस तरह से घुसपैठियों का प्रवेश नहीं होना चाहिए.

5 पटवारी निलंबित, राजस्व कार्यों में लापरवाही पर एसडीएम ने की कार्रवाई

महासमुंद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में राजस्व कार्यों में लापरवाही और डिजिटल फसल सर्वेक्षण में अनियमितताओं के मामले में पांच पटवारियों को निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की समीक्षा के बाद संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) ने निलंबन के आदेश जारी किए हैं। इस कार्रवाई से राजस्व विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। जिले में अलग-अलग मामलों में पांच पटवारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनमें बसना के उदय प्रकाश राजपूत को डिजिटल फसल सर्वेक्षण में लापरवाही के कारण निलंबित किया गया है। वहीं, सरायपाली के पटवारी जितेंद्र सिंह बाघ पर शासकीय जमीन को दूसरे कृषक के नाम दर्ज करने का आरोप है। महासमुंद के पटवारी हरीश चंद्राकर पर खसरे की वास्तविक स्थिति छिपाकर दोबारा नामांतरण करने के मामले में कार्रवाई की गई है। इसी तरह बागबाहरा के पटवारी कंचन साहू और लुकेश यादव को डिजिटल फसल सर्वेक्षण के दौरान भौतिक सत्यापन नहीं करने के कारण निलंबित किया गया है।

एंटी-सीईसी प्रोटेस्ट के दौरान सुरक्षाबल सख्त हिरासत में लिए गए 7 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी



नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली में SIR और सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) समर्थकों पर पुलिस का एक्शन तेज हो गया है। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से सीजेपी समर्थकों को डिटेन किया जा रहा है। अबतक 7 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी हिरासत में लिए जा चुके हैं। कनॉट प्लेस आउटर सर्किल में जुट रहे करीब 200 सीजेपी समर्थकों को डिटेन किया गया है, ये सभी लोग जंतर-मंतर जाने की कोशिश में थे। पुलिस ने सीजेपी के लीडर अभिजीत दिपके, आशुतोष रांका और सौरभ दास को भी डिटेन कर लिया है। इन तीनों को दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट से ही हिरासत में ले लिया गया है।

जंतर मंतर की तरफ जाने वाले सभी रास्तों पर हैवी बैरिकेडिंग की गई है। 30 हजार से ज्यादा पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान तैनात है। सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी की जा रही है, गाड़ियों को रोकने के लिए सड़कों पर कीलें लगाई गई हैं। दिल्ली के सभी बॉर्डर पर पुलिस और BSF तैनात है। दिल्ली में घुसने वाली गाड़ियों की चेकिंग की जा जा रही है।

कामयाब नहीं होने देंगे राहुल गांधी के मंसूबे: नितिन नवीन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आरोप लगाए हैं कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल के सहयोगी सीजेपी नेता देश में बहुत ही खतरनाक और गंभीर स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। नितिन नवीन ने यह भी आरोप लगाए कि विपक्ष के लोग राजनीतिक उद्देश्यों के साथ-साथ विदेशी ताकतों के इशारे पर यह कर रहे हैं।

दिल्ली में सीजेपी के प्रदर्शन के बीच भाजपा के राष्ट्रीय



अध्यक्ष नितिन नवीन ने मीडिया से बात करते कहा, आज देश में बेहद खतरनाक और गंभीर स्थिति पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। देश की 140 करोड़ जनता, जो सुख-शांति के साथ भारत के विकास में सहयोग कर रही है, उसे अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है।

नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि ये दो अराजकतावादी समूह हैं, जिनमें एक 'इंडी गठबंधन' के नेता राहुल गांधी और दूसरे गुट का नेतृत्व अरविंद केजरीवाल के सहयोगी सीजेपी कर रही है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, मैं इन दोनों गुटों को स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि भारत की जनता पूरी तरह से आपके इन उद्देश्यों को देख रही है। आज जो आपकी अराजकता की प्रतिस्पर्धा चल रही है कि कौन इस देश में अधिक अस्थिरता पैदा कर सकता है, आपके ये मंसूबे हम पूरे नहीं होंगे।

सोनम वांगचुक ने सरकार को दी चेतावनी, कहा- मैं अनशन या पदयात्रा पर विचार करूंगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सरकार को चेतावनी देते हुए एक वीडियो जारी किया है। उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हो रहे प्रदर्शन के मद्देनजर ये वीडियो पोस्ट किया है और कहा है कि भारत अघोषित इमरजेंसी की स्थिति में है।

सोनम वांगचुक ने कहा, "कुछ देर पहले वापस आने पर मुझे पता चला कि आज दिल्ली में बहुत सारी गिरफ्तारियां हुई हैं। जिसमें छात्र नेता, युवा नेता, वकील, पत्रकार और सांसद शामिल हैं। कल जब मैंने आप लोगों को संदेश दिया था कि आज के प्रदर्शनों में शांति और एकता बनाए रखें। मेरा मानना था कि दुनिया के



सबसे बड़े लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति तो दी ही जाएगी।"

सोनम वांगचुक ने कहा, "अब लग रहा है कि कोई अघोषित इमरजेंसी देश में लगी हुई है। मैं इस बात की कड़ी निंदा करता हूं। सरकार से निवेदन करता हूं कि ये सब गिरफ्तारियां खत्म कर दी जाएं आज शाम तक और मामलों को सुलझाया जाए। अगर अगले 24 घंटों में गिरफ्तारियां नहीं हटाई गईं तो मैं भी एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर विचार करने के लिए मजबूर हो जाऊंगा। फिर चाहें वो एक धरना हो या अनशन हो या पद यात्रा हो। लेह में हो या दिल्ली में हो।"

सोनम वांगचुक ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि उससे पहले ही सरकार मसलों को बातचीत से सुलझाएगी और हमें ऐसा कोई कदम उठाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जय हिंद।"

दिल्ली में एसआईआर और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर हुआ प्रदर्शन

गौरतलब है कि दिल्ली में आज एसआईआर के खिलाफ और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन हुआ। इस मौके पर दिल्ली की अलग-अलग लोकेशनों पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) समर्थकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने सीजेपी के लीडर अभिजीत दिपके, आशुतोष रांका और सौरभ दास को दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट से ही हिरासत में ले चुकी है।

अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, CJP के CEC-विरोधी विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने 7,000 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया। दिल्ली पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर प्रदर्शनकारियों को डिटेन किया है और खबर है कि इस दौरान राइट विंग और लेफ्ट विंग के प्रदर्शनकारी आपस में भी भिड़े हैं।



'राइज एंड फॉल 2' में शहजाद पूनावाला ने खेला बड़ा दांव, गौतम गुलाटी और राज ग्रोवर को भेजा बेसमेंट

मुंबई (एजेंसी)। ओटीटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में हुए हालिया बदलावों के तहत 'अल्टीमेट रूलर' शहजाद पूनावाला ने 'फॉल का फरमान' के तहत कई फैसले लिए, जिसके चलते रूलर्स गौतम गुलाटी और राज ग्रोवर को बेसमेंट में भेज दिया गया। निहारिका तिवारी पहले ही सेफ हो चुकी थीं, इसलिए सबकी नजरें शहजाद पर टिकी थीं कि वह किसे ऊपर रहने देंगे और किसे नीचे भेजेंगे। इन फैसलों ने टॉवर का माहौल बदल दिया और तुरंत ही दोस्ती, वफादारी और आपसी रिश्तों पर दबाव डाल दिया। रेड रूम में शुरू हुई यह रणनीतिक प्रक्रिया जल्द ही बहस, तनावपूर्ण बातचीत और नए नॉमिनेशन झगड़ों में बदल गई, जिसका असर पेंटहाउस और बेसमेंट दोनों जगहों पर दिखा।

शहजाद पूनावाला और गौतम गुलाटी की दोस्ती में आई दरार

रेड रूम में शहजाद पूनावाला ने सबसे पहले तेज प्रताप यादव को बचाने का फैसला किया। इसके बाद उन्हें रूलर्स की दो जोड़ियों में से किसी एक को चुनने के लिए कहा गया। हर जोड़ी ऊपर अपनी जगह पक्की करने की कोशिश कर रही थी। राज ग्रोवर और स्वरा भास्कर ने पहले अपनी बात रखी, लेकिन शहजाद ने राज को बेसमेंट में भेजने का फैसला किया। अगला फैसला गौतम गुलाटी और इरीना रुदाकोवा के बारे में था। दोनों के दोस्त होने के बावजूद, शहजाद पूनावाला ने इरीना को बचाया और गौतम को नीचे भेज दिया। इस कदम से गौतम साफ तौर पर नाराज दिखे। तेज ने शहजाद के फैसले पर सवाल उठाए, जबकि गौतम ने उस पर जलन और असुरक्षा का आरोप लगाया। स्वारा ने शहजाद का साथ दिया और जो बात एक रणनीतिक फैसले के तौर पर शुरू हुई थी। वह जल्द ही वफादारी



की परीक्षा में बदल गई। गौतम सोचने पर मजबूर हो गए कि शहजाद के साथ उनकी दोस्ती किस मोड़ पर है।

बेसमेंट में हुआ हंगामा

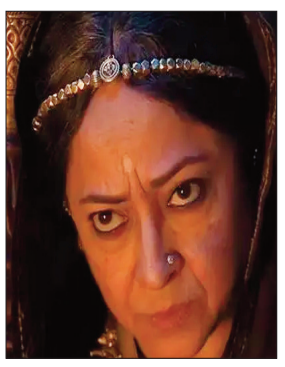
बेसमेंट में गौतम गुलाटी की वापसी का स्वागत गर्मजोशी से नहीं हुआ, क्योंकि 'वर्कर्स' के बीच पुरानी शिकायतें फिर से उभर आईं। बाद में शहजाद पूनावाला ने गौतम के साथ गलतफहमियां दूर करने की कोशिश की और कहा कि वह नहीं चाहते कि उनके रिश्ते पर कोई असर पड़े। हालांकि, तेज प्रताप यादव के संभावित रोमांटिक एंगल पर टिप्पणी करने के बाद बातचीत का रुख अचानक बदल गया। शहजाद को गुस्सा आ गया और उन्होंने तेज को धक्का दे दिया, जिस पर तेज ने गुस्से में कहा कि वह इस तरह की बेइज्जती बर्दाश्त नहीं करेंगे। फिर गौतम ने स्थिति को शांत करने की कोशिश की और कहा कि वह टिप्पणी मजाक में की गई थी, लेकिन इस बातचीत से मामला और भी तनावपूर्ण हो गया।

लिफ्ट ऑफ जजमेंट और नॉमिनेशन

इसके बाद 'लिफ्ट ऑफ जजमेंट' में एलिमिनेशन के लिए नॉमिनेशन शुरू हुए और सारा ध्यान 'वर्कर्स' पर आ गया। शहजाद ने प्रियंका को नॉमिनेट किया, जिन्हें फिर किसी और वर्कर को नॉमिनेट करने का मौका मिला। उन्होंने गौतम को चुना, जब गौतम की बारी आई तो उन्होंने पहले राज का नाम लिया, लेकिन बाद में अपना नॉमिनेशन बदलकर कायरा अनु को चुन लिया, क्योंकि कायरा ने साफ कर दिया था कि उन्हें किसी के एहसान की जरूरत नहीं है। इसके बाद कायरा ने राज को नॉमिनेट किया और राज ने सारा गुरपाल का नाम लिया। इस कदम से काजल राघवानी और राज के बीच तीखी बहस हो गई। प्रोसेस के आखिर तक सारा और मनीष कश्यप सेफ रहे, जबकि बाकी वर्कर्स पर एलिमिनेशन का खतरा मंडराता रहा।

'रामायण' से कैकयी-मंथरा की झलक आई सामने, शीबा चड्ढा के लुक ने खींचा ध्यान, बढ़ी फैंस की उत्सुकता

मुंबई (एजेंसी)। रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी स्टारर 'रामायण' इस साल की सबसे चर्चित और मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट बनी हुई है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म से अरुण गोविल का पोस्टर जारी किया था, जो 'रामायण' में राजा दशरथ की भूमिका निभा रहे हैं। इस पोस्टर में वह सिंहासन पर बैठे नजर आए थे और उनके लुक को दर्शकों से काफी तारीफें मिलीं। अब मेकर्स ने फिल्म से दो और अहम किरदारों का लुक पोस्टर जारी कर दिया है, जिन्होंने भगवान राम का भाग्य हमेशा के लिए बदल दिया था। ये दो किरदार कैकयी और मंथरा के हैं, जो फिल्म में



लारा दत्ता और शीबा चड्ढा निभा रही हैं। मेकर्स द्वारा जारी किए गए पोस्टर पोस्टर में दोनों ही अभिनेत्रियों का लुक काफी प्रभावशाली लग रहा है। कैकयी के लुक में लारा दत्ता काफी शाही अंदाज में नजर आ रही हैं। उन्होंने पारंपरिक परिधान और आभूषण पहने हैं, और उनके चेहरे पर तेज गुस्सा नजर आ रहा है। लारा दत्ता का ये लुक काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं शीबा चड्ढा की बात करें तो मंथरा के लुक में उन्हें देखने के बाद हर तरफ उन्हीं की चर्चा हो रही है। मंथरा के लुक में वह तेज-तर्रार और गंभीर लग रही हैं। उनके हाथ में छड़ी है और कमर छुकी है, वहीं चेहरे पर भी रहस्यमयी भाव देखने को मिल रहे हैं। मेकर्स ने कैकयी और मंथरा के पोस्टर साझा करते हुए किरदारों के महत्व को भी बताया है। लारा दत्ता के पोस्टर में लिखा है- 'एक रानी, एक मां और दो ऐसी इच्छाएं, जो एक पिता के प्यार को धोखा देंगी और राम के भाग्य को हमेशा के लिए बदलकर रख देंगी।'

अमिताभ बच्चन को दिल्ली हाई कोर्ट में पेश होने के निर्देश, 4 साल पुराने केस में मिली हिदायत, सुनवाई के लिए खुद होना होगा हाजिर

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन को दिल्ली उच्च न्यायालय ने कोर्ट में पेश होने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने 4 साल पुराने पर्सनैलिटी राइट्स से जुड़े केस में दिग्गज अभिनेता को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस पुरषेंद्र कुमार कौरव की बेंच ने उनसे कहा है कि अगर उनके पर्सनैलिटी राइट्स से जुड़े मामले में समझौता नहीं हो पाता है और वह मामले को आगे बढ़ाना चाहते हैं तो उन्हें खुद सुनवाई के दौरान हाजिर रहना होगा। जस्टिस पुरषेंद्र कुमार कौरव ने ये निर्देश तब दिए जब कोर्ट को बताया गया कि कुछ प्रतिवादियों के साथ मध्यस्थता के जरिए समझौता हो गया था, लेकिन अमिताभ बच्चन की ओर से कुछ व्यवहारिक दिक्कतों के चलेत समझौते पर औपचारिक तौर पर हस्ताक्षर नहीं हो पाए।

16 नवंबर को अगली सुनवाई

न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, कोर्ट ने अमिताभ बच्चन को जरूरी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए समय दिया है और अगली सुनवाई की तारीख 16 नवंबर यतय की है। कोर्ट ने इस दौरान कहा कि अगर समझौता



नहीं हो पाता है या आधूरा रह जाता है तो मिस्टर बच्चन को अगली सुवाई में व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहना होगा। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि में कहा गया है कि व्यक्तिगत रूप से मौजूदगी से कोर्ट को 'कोड ऑफ़ सिविल प्रोसीजर, 1908' के 'ऑर्डर X रूल 2' और 'भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023' की धारा 168 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने में मदद मिलेगी।

क्या है मामला?

दरअसल, अमिताभ बच्चन ने 25 नवंबर 2022 को दिल्ली हाईकोर्ट में अपने व्यक्तित्व के अधिकारों की रक्षा के लिए याचिका दायर की थी। इस याचिका में उन्होंने बिना अनुमति अपने नाम, पहचान, तस्वीर और आवाज के गलत इस्तेमाल में रोक लगाने की मांग की थी। उनका कहना था कि कई लोग उनकी अनुमति के बिना उनकी लोकप्रियता का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कर रहे हैं। मशहूर वकील हरीश साल्वे ने अमिताभ बच्चन की तरफ से कोर्ट में पक्ष रखा था। याचिका में बताया गया कि कुछ लोग लॉटरी से जुड़ी गतिविधियों के लिए अमिताभ बच्चन के नाम का इस्तेमाल कर रहे थे।

कोर्ट ने दिया था अंतरिम आदेश

2022 में दिल्ली हाई कोर्ट ने इस संबंध में अमिताभ बच्चन के पक्ष में अंतिम आदेश दिया था। उस दौरान कोर्ट ने कहा था कि अमिताभ बच्चन देश की मशहूर हस्ती हैं और कई विज्ञापनों में नजर आते हैं। ऐसे में उनके नाम, आवाज या चेहरे का बिना अनुमति इस्तेमाल करके अपने सामान या सेवाओं को प्रमोशन करना गलत है।

सेहत

सुबह पेट साफ न होने की समस्या? गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट से जानें आसान उपाय

सुबह पेट साफ न होना, मल त्याग में परेशानी होना या शौच के दौरान जोर लगाना कब्ज के लक्षण हो सकते हैं। लेकिन कई लोग इसकी वजह से काफी परेशान रहते हैं।

पेट साफ करने के लिए लोग कई तरह की दवाओं का भी सहारा लेते हैं। लेकिन फिर भी इस समस्या से छुटकारा नहीं मिल पाता। ऐसे में डॉ अभिजीत रंजन - वरिष्ठ सलाहकार, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (हेपेटोलॉजी) फोर्टिस अस्पताल मानेसर बता रहे हैं कि इससे कैसे छुटकारा पाया जाए।

क्या कहते हैं डॉक्टर

गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट के अनुसार, इसके सामान्य कारणों में भोजन में फाइबर की कमी, पर्याप्त पानी न पीना, शारीरिक



गतिविधि कम होना और अनियमित दिनचर्या शामिल हैं।

सुबह पेट आसानी से साफ करने के लिए क्या करें?

सुबह उठकर पानी पीना और नाश्ते के बाद शौचालय जाने की आदत डालना मददगार हो सकता है।

भोजन के बाद आंतों की गतिविधि बढ़ती है, जिससे मल त्याग करना आसान हो सकता है। शौच के दौरान अधिक जोर लगाने से बचें और शरीर की स्वाभाविक जरूरत को न टालें।

खानपान में क्या बदलाव करें?

कब्ज से बचने के लिए पपीता, अमरूद, हरी सब्जियां, दालें, ओट्स और साबुत अनाज जैसे फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं। इसके अलावा पर्याप्त पानी पिएं और रोजाना 20 से 30 मिनट पैदल चलें। ये आदतें मल को नरम रखने और आंतों की गतिविधि बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं।

कब डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए?

यदि कब्ज लगातार बनी रहती है या घरेलू उपायों से ठीक नहीं होती, तो गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट से सलाह लें। मल में खून आने, तेज पेट दर्द, उल्टी या पेट फूलने के साथ मल और गैस बिल्कुल न निकलने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ध्यान रखें कि हर व्यक्ति का शौच करने का समय अलग हो सकता है।

जरूरी यह है कि मल त्याग आसान हो और उसमें दर्द या अत्यधिक जोर न लगाना पड़े।

(एजेंसी)

अगर आप हैं डायबिटीज के मरीज तो इस तरीके से पीएं पानी

डायबिटीज में आपको पानी पीने के सही तरीके के बारे में जानना चाहिए। दरअसल, पानी शरीर में हाइड्रेशन बढ़ाने का काम करता है जो कि शुगर मेलिज्म को तेज करता है। अगर शरीर में पानी की कमी होती है तो ये डिहाइड्रेशन का कारण बनता है जिससे पेशाब के जरिए शुगर शरीर से बाहर नहीं निकल पाता टाबोहै। इसलिए हर डायबिटीज के मरीज को शुगर पचाने की गतिविधि को तेज करने के लिए अच्छी मात्रा में पानी पीना चाहिए।



डायबिटीज में कितना पानी पिएं?

अगर आपको डायबिटीज है तो आपको बहुत सारे तरल पदार्थ पीने चाहिए। कोशिश करें कि महिलाएं प्रति दिन लगभग 1.6 लीटर और पुरुषों के लिए प्रति दिन 2 लीटर पानी पिएं। ये सिर्फ पानी की बात हो रही है। इसके अलावा आपको दूसरे तरह पदार्थों का भी सेवन करना चाहिए जो कि डायबिटीज में कारगर तरीके से काम करती है।

गर्म या ठंडा, डायबिटीज में कौन सा पानी पिएं?

डायबिटीज में आपको गर्म पानी पीना चाहिए क्योंकि ये ब्लड वेसेल्स को फैलाने का काम करता है जिससे इंसुलिन अवशोषण बढ़ सकता है। इससे शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलती है साथ ही इससे पेट साफ रहता है और कब्ज की समस्या से बचाव में मदद मिलती है। इसके अलावा कोशिश करें कि बहुत ज्यादा ठंडा या गर्म पानी भी न पिएं। साथ ही रात में सोने से 2 घंटे पहले ही पानी पी लें नहीं तो पेशाब से जुड़ी समस्याएं हो सकती है।

पोषक तत्वों से भरपूर है मखाना

छोटे छोटे गोल आकार के मखाने में एंटीऑक्सीडेंट्स कैल्शियम फाइबर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो पाचन क्षमता को बेहतर बनाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार इसमें एंटी एजिंग गुण मौजूद होते हैं जो आपकी स्किन की बेहतर देखभाल करते हैं। इसके पोषक तत्वों से हर कोई वाकिफ है लेकिन अगर आप इसका सेवन सुबह के समय करते हैं तो इसके फायदे कई गुना बढ़ जाते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर है मखाना

एक कप मखाने में 5 ग्राम प्रोटीन, 20 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 33 माइक्रोग्राम फोलिक एसिड, 1.2 मिलीग्राम आयरन, कैल्शियम 52 मिलीग्राम, पोटेशियम 430 मिलीग्राम, फास्फोरस 198 मिलीग्राम, ओमेगा-3 फैटी एसिड 32 मिलीग्राम और 340 मिलीग्राम ओमेगा-6 फैटी एसिड होते हैं। इसे डाइट में शामिल करने के कम कैलोरी के साथ साथ भरपूर फाइबर मिलेगा। अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो सुबह के समय एक मुट्ठी मखाना रोज़ाना खाएं। सुबह इसका सेवन करने से यह आसानी से पच जाता है। सतह ही ऐसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहता है और फूड की क्रेविंग भी कम होती है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

इन परेशानियों में भी है कारगर:

फर्टिलिटी बढाएः मखाना ड्राई फ्रूट होने के साथ साथ शारीरिक कमजोरी दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। ये केवल सेहत को नहीं सुधारता, इसे डाइट में शामिल किया जाए तो ये गर्भधारण की समस्या से जूझ रहे लोगों की मदद करता है।

शुगर करे कंट्रोलः कई पौष्टिक तत्वों से भरपूर होने के कारण ये डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद है, इसके लगातार सेवन से शुगर कंट्रोल होता है।

स्किन के लिए फायदेमंदः मखाना चूंकि एंटी ऑक्सिडेंट से भरपूर होता है इसलिए अगर आप रोज सुबह खाली पेट चार पांच मखा खा लेंगे तो आपके चेहरे पर उम्र के निशान कम होते जाएंगे और स्किन जवां होगी।

नींद में बड़बड़ाना, सिर्फ एक आम आदत या किसी गंभीर बीमारी का शुरुआती संकेत?

नींद में बोलना या बड़बड़ाना एक आम समस्या है, जिसे मेडिकल भाषा में 'सोमनिलोकी' कहा जाता है। इसमें व्यक्ति सोते समय कुछ शब्द बोल सकता है, अधूरे वाक्य कह सकता है या कभी-कभी जोर से चिल्ला भी सकता है। अक्सर व्यक्ति को सुबह उठने पर याद नहीं रहता कि उसने रात में क्या कहा था। आमतौर पर यह समस्या गंभीर नहीं होती, लेकिन यदि यह बार-बार हो या इसके साथ अन्य लक्षण दिखाई दें, तो इस पर ध्यान देना जरूरी है। डॉ. समीर भार्गव, मनोचिकित्सक, FMRI गुरुग्राम बता रहे कि ये नॉर्मल है या किसी बीमारी का संकेत।

नींद में बड़बड़ाने के क्या कारण हो सकते हैं?

साइकेट्रिस्ट के अनुसार, नींद में बड़बड़ाने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। मानसिक तनाव, चिंता, नींद की कमी और अनियमित डेली रूटीन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। जब व्यक्ति अधिक तनाव में होता है या किसी बात को लेकर लगातार सोचता रहता है, तो उसकी नींद प्रभावित हो सकती है।



इसका असर कभी-कभी नींद के दौरान बोलने के रूप में भी दिखाई देता है। इसके अलावा, बुखार, कुछ दवाओं का असर, शराब का सेवन और नींद से जुड़ी अन्य समस्याएं भी इसका कारण बन सकती हैं। बच्चों में नींद के दौरान बड़बड़ाना सामान्य है और उम्र बढ़ने के साथ यह कम भी हो सकता है।

क्या यह किसी मानसिक बीमारी का संकेत है?

नींद में बड़बड़ाने का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति किसी मानसिक बीमारी से पीड़ित है। हालांकि, यदि इसके साथ लगातार चिंता, उदासी, चिड़चिड़ापन, डर या व्यवहार में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई दें, तो मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना सही है। कुछ मामलों में नींद में बोलना अन्य नींद संबंधी विकारों के साथ भी हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि व्यक्ति सोते समय चिल्लाता है, हाथ-पैर चलाता है, डरकर उठ जाता है या अपने सपनों के अनुसार शारीरिक गतिविधियाँ करता है, तो इसकी जाँच जरूरी हो सकती है। इसके अलावा, यदि खर्राटों के साथ साँस रुकने जैसी समस्या हो, तो स्लीप एपनिया की संभावना पर भी ध्यान देना चाहिए।

नींद में बड़बड़ाने से बचने के लिए क्या करें?

इस समस्या को कम करने के लिए रोजाना पर्याप्त नींद लेना और सोने-जागने का समय नियमित रखना जरूरी है। वयस्कों को आमतौर पर प्रतिदिन सात से नौ घंटे की नींद लेनी चाहिए। सोने से पहले मोबाइल फोन का इस्तेमाल कम करना, कैफीन का सेवन सीमित मात्रा में करना और तनाव कम करने के लिए ध्यान या गहरी सांस लेने जैसे अभ्यास करना भी मददगार हो सकता है।

कब डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए?

यदि नींद में बड़बड़ाने की समस्या अचानक शुरू हो, बार-बार होने लगे, नींद की गुणवत्ता प्रभावित करे या इसके साथ चिल्लाना, हिंसक गतिविधियां, चोट लगना अथवा दिन में अत्यधिक नींद आना जैसे लक्षण हों, तो डॉक्टर से संपर्क करें। जरूरत पड़ने पर साइकेट्रिस्ट या नींद संबंधी विकारों के विशेषज्ञ आगे की जांच की सलाह दे सकते हैं। नींद में बड़बड़ाना हमेशा किसी बीमारी का संकेत नहीं होता। सही दिनचर्या, पर्याप्त नींद और तनाव पर नियंत्रण से इसमें सुधार हो सकता है। हालांकि, लगातार बने रहने वाले या अन्य लक्षणों के साथ दिखाई देने वाले बदलावों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। **(एजेंसी)**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

रविवार 11 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

कृषक 31 अक्टूबर तक एकीकृत किसान पोर्टल एवं एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन करायें

कोरबा । छत्तीसगढ़ शासन, कृषि एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर द्वारा प्रदेश में फसल क्षेत्राच्छादन, उत्पादन, उत्पादकता में वृद्धि करने, फसल कास्त लागत में कमी कर आय में वृद्धि करने, नवीन कृषि तकनीकी में निवेश को प्रोत्साहन, एवं बाजारोन्मुखी फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खरीफ 2026 से कृषक उन्नति योजना के क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देश जारी किया गया है। शासन द्वारा जारी दिशा निर्देश में कृषक उन्नति योजना का लाभ लेने हेतु कृषकों को एकीकृत किसान पोर्टल एवं एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराना आवश्यक है। एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत ऐसे समस्त कृषक, जिन्होने विगत खरीफ में धान की फसल लेने वाले ऐसे कृषक, जिन्होने आगामी खरीफ में धान के बदलें अन्य खरीफ फसल लेने हेतु एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन कराया हो, खरीफ में दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास की फसल लेने हेतु पंजीयन कराया हो, योजनांतर्गत पात्र होंगे। विधिक व्यक्तियों यथा ट्रस्ट/मण्डल/प्राईवेट लिमि. कंपनी/शाला विकास समिति/केन्द्र एवं राज्य शासन के संस्थान/महाविद्यालय आदि संस्थाओं को योजना से लाभ लेने की पात्रता नही होगी।

हरनादादर में 10 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद। बागबाहरा पुलिस ने ग्राम हरनादादर में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के कब्जे से 10 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की है। जब्त शराब की कीमत करीब 2 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार ग्राम हरनादादर निवासी सिंह टोंडेकर (35) के घर की बाड़ी में शराब रखे होने की सूचना मिली थी।

सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर तलाशी ली, जहां से कुल 10 लीटर देशी महुआ शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पैसे वापस मांगने पर युवक से मारपीट

महासमुंद। बसना थाना क्षेत्र में लेनदेन के विवाद को लेकर युवक से गाली-गलौज और मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार वार्ड क्रमांक 11 फोकटपारा निवासी राजेंद्र दास 7 अक्टूबर की सुबह करीब 9.30 बजे काम पर जा रहा था।

इसी दौरान सरस्वती शिशु मंदिर बसना के पास मोहल्ले के बिसन दास ने उसे रोककर पैसे वापस क्यों नहीं कर रहे हो, कहते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने राजेंद्र के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 115(2), 296, 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री लखनपुर में आयोजित ब्लॉक स्तरीय सरगुजा ओलंपिक के समापन समारोह में हुए शामिल

सरगुजा ओलंपिक से निखर रही ग्रामीण खेल प्रतिभाएं : राजेश अग्रवाल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सरगुजा की धरती खेल प्रतिभाओं से समृद्ध है। यहां के ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है उन्हें उचित अवसर, प्रोत्साहन और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराने की। सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को नई पहचान देने के साथ युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उक्त बातें पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने शनिवार को पीएम श्री विद्यालय, लखनपुर में आयोजित ब्लॉक स्तरीय सरगुजा ओलंपिक 2026 के समापन समारोह में कही। इस अवसर पर लुण्ड्रा विधायक श्री प्रमोद मिंज भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समापन समारोह में शामिल होकर पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके खेल कौशल, जोश और जीत के जज्बे की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरगुजा ओलंपिक केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि ग्रामीण प्रतिभाओं को पहचान दिलाने, युवाओं को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और खेलों के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देने वाला महत्वपूर्ण मंच है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ने के साथ



स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और आपसी सद्भाव की भावना भी मजबूत होती है।

पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि सरगुजा अंचल के युवाओं में प्रतिभा, परिश्रम और संघर्ष की अद्भुत क्षमता है। यहां के खिलाड़ी यदि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और नियमित अभ्यास के साथ आगे बढ़ें, तो निश्चित रूप से राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजन ऐसे खिलाड़ियों को आगे आने, अपनी प्रतिभा निखारने और बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास और संकल्प है कि सरगुजा की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिले, युवा खेलों के प्रति प्रोत्साहित हों और अपनी उपलब्धियों से सरगुजा सहित पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें। खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में परिवार, समाज, शिक्षकों और खेल प्रशिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सभी के सामूहिक प्रयासों से ग्रामीण अंचलों में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार किया जा सकता है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल जीवन में सफलता प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेल हमें अनुशासन, धैर्य, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की सीख देते हैं। खेल के मैदान में मिली जीत आत्मविश्वास बढ़ाती है, वहीं हार हमें अपनी कमियों को पहचानकर और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है।

छत्तीसगढ़ में 240 ई-बसों की राह खुलेगी, आज होगा कंसेशन एग्रीमेंट

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के चार बड़े शहरों में 240 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए 11 अक्टूबर को कंसेशन एग्रीमेंट किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव की मौजूदगी में रायपुर, बिलासपुर, भिलाई और कोरबा नगर निगम का चयनित एजेंसी चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के साथ कंसेशन एग्रीमेंट होगा। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत होने वाले इस समझौते से चारों शहरों में आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सेवा शुरू करने का रास्ता साफ होगा।



उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में आयोजित कंसेशन एग्रीमेंट कार्यक्रम में प्रदेश के आठ नगरीय निकायों के महापौर और आयुक्त शामिल होंगे। इनमें रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी, कोरबा की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार, रिसाली की महापौर श्रीमती शशि सिन्हा, भिलाई के महापौर श्री नीरज पाल, बीरगांव के महापौर श्री नंदलाल देवांगन तथा भिलाई-चरोदा के महापौर श्री निर्मल कोसरे शामिल हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, संचालक श्री नीलेश क्षीरसागर और सूडा के सीईओ श्री सुमीत अग्रवाल भी इस दौरान मौजूद रहेंगे।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के पहले चरण में प्रदेश के चार नगर निगमों में कुल 240 इलेक्ट्रिक बसें संचालित करने की योजना है। इनमें सबसे अधिक 100 बसें रायपुर में चलेंगी। दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर को 50-50 तथा कोरबा को 40 बसें मिलेंगी। बसों के संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से पुनु राम साहू के पक्के मकान का सपना हुआ साकार

राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। हर परिवार का सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करने के लिए अपना पक्का मकान बनाने का सपना होता है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के पक्का मकान बनाने के सपने को साकार करने में सहायता मिल रही है। पक्का आवास बनने से ग्रामीण क्षेत्र के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत पक्का मकान बनने से जनपद पंचायत छुरिया के ग्राम लाममेटा निवासी पुनु



राम साहू के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। पुनु राम साहू आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण अपना पक्का मकान बनाने के लिए असमर्थ थे। उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। बारिश के दिनों में पानी टपकने तथा मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण परिवार को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मकान की असुरक्षित स्थिति के कारण परिवार को हमेशा सुरक्षा की चिंता बनी रहती थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत पुनु राम साहू को पक्का मकान बनाने के लिए 1 लाख 20 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई। यह राशि नियमानुसार तीन किश्तों में प्रदान की गई। उन्होंने प्राप्त सहायता राशि का उपयोग कर पक्का और सुरक्षित आवास निर्माण कराया। इस तरह पक्का आवास का सपना साकार हुआ।

पीएम-आशा योजना के तहत पांच फसलों के लिए 31 अक्टूबर तक होगा पंजीयन

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली और सोयाबीन की खेती करने वाले किसान प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) की प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के तहत 31 अक्टूबर 2026 तक पंजीयन करा सकते हैं। किसानों का पंजीयन एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से संबंधित सेवा सहकारी समिति में आवश्यक दस्तावेज जमा कर पंजीयन कराएं, ताकि उपज का विक्रय न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किया जा सके।

प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित

योजना के तहत भारत सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए अरहर का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8,450 रुपये, मूंग का 8,780 रुपये, उड़द का 8,200 रुपये, मूंगफली का 7,517 रुपये और सोयाबीन का 5,708 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जिले के लिए चिन्हांकित केंद्रीय एजेंसी द्वारा पंजीकृत किसानों से इन फसलों का उपार्जन किया जाएगा।

इन दस्तावेजों की होगी आवश्यकता

पंजीयन के लिए किसानों को ऋण पुस्तिका, बी-1, पी-2, आधार कार्ड और बैंक पासबुक की छायाप्रति आवेदन पत्र के साथ संबंधित सेवा सहकारी समिति में जमा करनी होगी। किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क कर पंजीयन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। पंजीयन के लिए किसान पोर्टल का पता Kisan-cg-nic-in बताया गया है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को दी गई जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले के ग्राम रामपुर में नमो सेवा अनकही कहानियां के तहत नुक्कड़ नाटक एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयीन विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा नशामुक्त



समाज के निर्माण का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेते हुए ग्रामीणों से नशे से दूर रहने और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहभागिता निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना एवं प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही ग्रामीणों को पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

ग्राम रामपुर के सरपंच यतीश सिन्हा ने कहा कि यह अभियान समाज एवं समुदाय के प्रति सेवा भावना को प्रोत्साहित करने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी ग्रामीणों को अभियान की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन देते ही दिव्यांग बिंदे राम को मिली बैटरी चालित ट्राईसाइकिल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जरूरतमंद और दिव्यांगजनों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में जशपुर जिले के ग्राम गिनाबहार निवासी दोनों पैरों से दिव्यांग श्री बिंदे राम को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करते ही बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई। तत्काल मिली इस सहायता से उनके चेहरे पर खुशी झलक उठी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ट्राईसाइकिल मिलने से अब उन्हें आवागमन और दैनिक कार्यों में काफी सहूलियत होगी।

ग्राम गिनाबहार निवासी श्री बिंदे राम, पिता श्री विशेश्वर राम, दोनों पैरों से दिव्यांग हैं। शारीरिक असमर्थता के कारण उन्हें रोजमर्रा के कार्यों और कहीं आने-जाने के लिए परिवार के सदस्यों पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अपनी समस्या के



समाधान की उम्मीद लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नाम मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में आवेदन प्रस्तुत कर बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में उनकी समस्या को संवेदनशीलता से लेते हुए तत्काल सहायता उपलब्ध कराई गई। आवेदन प्रस्तुत करने के बाद ही उन्हें बैटरी चालित ट्राईसाइकिल प्रदान की गई। इससे अब बिंदे राम को आवागमन के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और वे अपने दैनिक कार्य अधिक आसानी से कर सकेंगे। यह सहायता उनके जीवन में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

जरूरतमंदों के लिए उम्मीद और भरोसे का केंद्र बना मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की जनसेवा और संवेदनशील प्रशासन की प्रतिबद्धता के अनुरूप मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया जरूरतमंदों की समस्याओं के त्वरित समाधान का माध्यम बन रहा है। यहां पहुंचने वाले नागरिक अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करते हैं, जिन पर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए यथासंभव शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

दिव्यांग बिंदे राम को आवेदन देते ही बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराया जाना संवेदनशील प्रशासन और त्वरित जनसेवा का उदाहरण है। समय पर मिली इस सहायता से न केवल उनकी आवागमन संबंधी परेशानियां कम होंगी, बल्कि वे अपने दैनिक जीवन में अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगे। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की इस पहल से जरूरतमंदों में शासन के प्रति विश्वास और मजबूत हो रहा है।

धमतरी में मखाना की खेती से किसानों की आय बढ़ाने की नई पहल

धमतरी। सेवा संकल्प अभियान के तहत किसानों की आय में वृद्धि, महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा कृषि के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में धमतरी जिले में मखाना की खेती एक नई संभावना के रूप में उभर रही है। धान सहित पारंपरिक फसलों के साथ मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित कर किसानों के लिए आय के नए अवसर विकसित किए जा रहे हैं। जिले में मखाना की खेती की अपार संभावनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

केंद्र सरकार की सेंट्रल सेक्टर स्कीम फॉर डेवलपमेंट ऑफ मखाना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में धमतरी जिले को तालाबों में मखाना की खेती (पॉन्ड कल्टीवेशन) के लिए 66 हेक्टेयर का भौतिक लक्ष्य मिला था। इसके विरुद्ध जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में 42 हेक्टेयर क्षेत्र में मखाना की खेती प्रारंभ की गई है। यह पहल जिले में कृषि विविधीकरण को बढ़ावा देने और किसानों को परंपरागत खेती के अतिरिक्त लाभकारी विकल्प उपलब्ध कराने की



दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जिले के ग्राम छाती और डांडेसरा में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा मखाना उत्पादन की पहल की गई है। शैलपुत्री स्व-सहायता समूह और नई किरण स्व-सहायता समूह के माध्यम से कुल 29 एकड़ क्षेत्र में उत्पादित मखाना की हार्वेस्टिंग की जा रही है। इससे महिला समूहों के लिए आजीविका के नए अवसर विकसित होने के साथ सामूहिक उद्यमिता को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।

मखाना उत्पादन का हार्वेस्टिंग शुभारंभ कार्यक्रम 13 अक्टूबर 2026, मंगलवार को आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष,जिला पंचायत अरुण सार्वा, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में होने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य मखाना की खेती के अनुभवों को अन्य किसानों तक पहुंचाना और जिले में इसका विस्तार करना है।

अगले वर्ष 100 एकड़ में खेती का लक्ष्य

मखाना उत्पादन को जिले में व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए ग्राम सेनचुवा, विकासखंड धमतरी के किसानों को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया जा रहा है। ये किसान आगामी वर्ष लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में मखाना की खेती करने की दिशा में पहल करेंगे। इससे जिले में कृषि विविधीकरण को नई गति मिलने तथा किसानों के लिए वैकल्पिक आय के अवसर विकसित होने की उम्मीद है।

:- संपादकीय :-

अब नई बेंच बनेगी

केंद्र ने विधेयक के जरिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटा, तो उसके बाद लगभग तीन साल गुजर चुके हैं। अब नई बेंच बनेगी, तो जैसा तजुर्बा है, उसका फैसला आने में अभी कई और वर्ष गुजरेंगे।मार्च 2023 में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया तय की। पांच जजों की संविधान पीठ ने व्यवस्था दी कि ये नियुक्तियां तीन सदस्यीय समिति करेगी, जिसमें प्रधानमंत्री, भारत के प्रधान न्यायाधीश, एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल रहेंगे। नरेंद्र मोदी सरकार को यह निर्णय पसंद नहीं आया, तो उसने उसी वर्ष दिसंबर में संसद से विधेयक पारित करवा कर समिति की संरचना बदल दी। इसके तहत प्रावधान किया गया कि नियुक्ति समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त एक कैबिनेट मंत्री, और नेता विपक्ष रहेंगे। इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, तो न्यायालय ने वह याचिका दो जजों की बेंच को सौंप दी।उस पीठ का बंटा हुआ फैसला बुधवार को आया। एक जज- न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने याचिका में पेश दलील को जायज मानते हुए कहा कि उपरोक्त कानून ने नियुक्ति समिति में सत्ता पक्ष का बहुमत कायम कर दिया है, जिससे वहां नेता विपक्ष की मौजूदगी सजावटी बन भर रह गई है। वे इस तर्क से भी सहमत हुए कि मौजूदा स्वरूप में समिति 'स्वतंत्रइ मालूम नहीं पड़ती। लेकिन दूसरे जज जस्टिस एस.सी. शर्मा ने सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से पेश दलील से सहमति जताई कि इस मामले से महत्त्वपूर्ण कानूनी प्रश्न जुड़े हुए हैं, जिस पर सुप्रीम कोर्ट की अधिक बड़ी बेंच ही फैसला दे सकती है।तो अब मामला फिर से प्रधान न्यायाधीश के पास चला गया है। वे तय करेंगे कि क्या इस मुद्दे पर फिर से संविधान पीठ बने? केंद्र ने जब विधायी पहल के जरिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटा था, तो उसके बाद लगभग तीन साल गुजर चुके हैं। अब नई बेंच बनेगी, तो जैसा तजुर्बा है, उसका फैसला आने में अभी कई और वर्ष गुजरेंगे। इस बीच तमाम चुनाव सरकार के मन-माफिक बने निर्वाचन आयोग की देखरेख में होते रहेंगे। अतः सामान्य स्थितियों में फैसले का इंतजार असहनीय महसूस नहीं होता। लेकिन निर्वाचन आयोग जैसी शिकायतों से घिरता चला गया है, उसको लेकर जैसे संदेह सार्वजनिक दायरे में मौजूद हैं, उन्हें देखते हुए बहुत बड़े जनमत को संभावित देर अंधेर का कारण बनती मालूम पड़ेगी।

अभिनय से बड़ी उनकी इंसानियत की विरासत

ललित गर्ग ।

यही वजह थी कि उन्हें देखकर लगता था कि यह व्यक्ति पर्दे पर जितना बड़ा अभिनेता है, निजी जिंदगी में उतना ही सहज इंसान है।नाना पाटेकर का जाना सिनेमा के लिए निश्चित रूप से एक बड़ा नुकसान है, लेकिन शायद उससे भी बड़ी क्षति उस दुनिया की हुई है, जहां नेकी को प्रचार की जरूरत नहीं होती। वे अपनी फिल्मों में जीवित रहेंगे, उनके संवाद फिर सुनाई देंगे, ह्यवेलकमह्ल का उदय शेट्टी देखकर लोग फिर हंसेंगे और ह्यक्रांतिवीरह्ल या ह्यपरिंदाह्ल में वही पुराना गुस्सा फिर दिखाई देगा। मगर अब इन दृश्यों के पीछे खड़ा असली नाना दिखाई नहीं देगा। वह आदमी, जो पर्दे पर खूंखार हो सकता था, लेकिन जिंदगी में किसी किसान के आंसू देखकर पिघल जाता था। वह अभिनेता, जिसने लाखों दर्शकों को डराया भी, हंसाया भी व रुलाया भी, लेकिन असल जिंदगी में दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश करता रहा। शायद यही नाना पाटेकर की सबसे बड़ी विरासत है। सिनेमा का पर्दा उनके बिना जरूर सूना होगा, लेकिन नेकी की दुनिया में जो जगह उन्होंने बनाई, उसे भर पाना आसान नहीं फिर उनका चेहरा सामने आता है। कभी गुस्से से तना हुआ, कभी व्यवस्था से लड़ता , कभी किसी को चुनौती देता और कभी अचानक खिलखिलाकर हंसता हुआ।हिंदी और मराठी सिनेमा में उन्होंने ऐसे किरदारों को जन्म दिया, जिन्हें केवल अभिनय से नहीं, अपने पूरे व्यक्तित्व से जिया। होगा।



फिल्मों में अभिनेता नाना पाटेकर जितनी बार दिखेंगे, उतनी ही बार उनकी आवाज कानों में गूंजेगी और उनके किरदार सामने आकर खड़े होंगे। मगर नाना ने पर्दे पर जितना अभिनय किया, उससे कहीं ज्यादा गहरी भूमिका जिंदगी में निभाई। वे उन लोगों के बीच खड़े दिखाई दिए, जिनकी पीड़ा सुनने वाला भी कोई नहीं था।सोशल मीडिया पर कॉमेडी रील देखते हुए अंत में एक चेहरा सामने आता है। जोर-जोर से हंसता हुआ, आंखों में शरारत और चेहरे पर वही बेतकल्लुफी, जिसे देखते ही ह्यवेलकमह्ल के उदय शेट्टी की याद आ जाती है। यह चेहरा नाना पाटेकर का है। कभी इस चेहरे पर दर्शक हंसे थे, कभी इसकी आंखों में गुस्सा देखकर सहमे थे और कभी इसकी आवाज में छिपी पीड़ा ने उन्हें भीतर तक छुआ था। अब यह चेहरा असल दुनिया से विदा हो गया। नाना ने अपने पीछे अभिनय से कहीं बड़ी इंसानियत की विरासत छोड़ी है।नाना पाटेकर दुनिया से चले गए, लेकिन उनका चेहरा शायद ही कभी हमारी स्मृतियों से विदा होगा। फिल्मों में वे जितनी बार दिखेंगे, उतनी ही बार उनकी आवाज कानों में गूंजेगी और उनके किरदार सामने आकर खड़े होंगे। मगर नाना को सिर्फ अभिनेता के रूप में याद करना उनके व्यक्तित्व से न्याय नहीं होगा। उन्होंने पर्दे पर जितना अभिनय किया, उससे कहीं ज्यादा गहरी भूमिका उन्होंने जिंदगी में निभाई। पर्दे पर वे कठोर थे, आक्रामक थे, व्यवस्था को चुनौती देते थे, कभी अपराधी बने, कभी सैनिक व कभी विद्रोही नायक। लेकिन कैमरा बंद होने के बाद वही आदमी उन लोगों के बीच खड़ा दिखाई देता, जिनकी पीड़ा सुनने वाला भी कोई नहीं था।नाना पाटेकर को याद करते हुए सबसे पहले उनकी आवाज सुनाई देती है–भारी, खुरदुरी और सीधे दिल में उतर जाने वाली। फिर उनका चेहरा सामने आता है। कभी गुस्से से तना हुआ, कभी व्यवस्था से लड़ता , कभी किसी को चुनौती देता और कभी अचानक खिलखिलाकर हंसता हुआ।हिंदी और मराठी सिनेमा में उन्होंने ऐसे किरदारों को जन्म दिया, जिन्हें केवल अभिनय से नहीं, अपने पूरे व्यक्तित्व से जिया। परिंदा का अन्ना हो, प्रहार का कठोर सैनिक, क्रांतिवीर का प्रताप हो या तिरंगा का तेवर–नाना ने हर किरदार को अपनी आवाज, आंखों और देहभाषा से ऐसा रूप दिया कि वह चरित्र अभिनेता से बड़ा होकर सिनेमा की स्मृति का हिस्सा बन गया।

फिर वही नाना वेलकम में उदय शेट्टी बनकर सामने आए तो उनकी अभिनय क्षमता का दूसरा सिरा भी दिखाई दिया। जिस अभिनेता को देखकर दर्शक परिंदा और क्रांतिवीर में सहम सकते थे, वही वेलकम में अपनी अजीबो-गरीब हंसी, अंदाज और संवादों से लोगों को हंसाता रहा।उनकी खासियत थी कि वे किसी एक खांचे में फिट होने वाले अभिनेता नहीं थे। उनके भीतर गुस्सा भी था, करुणा भी; कठोरता भी थी और हास्य भी। नाना पाटेकर का फिल्मी सफर 1978 की गमन से शुरू हुआ। अंकुश ने उन्हें पहचान दी और परिंदा ने उनके अभिनय को नई ऊंचाई तक पहुंचाया। इसके बाद प्रहार, तिरंगा, क्रांतिवीर, खामोशी, अग्निसाक्षी, अब तक छप्पन, नटसम्राट और वेलकम जैसी फिल्मों ने उनके अभिनय के विविध रंग सामने रखे। उन्होंने तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से लेकर 2013 में पद्मश्री सम्मान तक हासिल किया। लेकिन पुरस्कारों की लंबी सूची उस नाना को पूरी तरह परिभाषित नहीं कर सकती, जिसे उनके चाहने वाले एक बेहद सादा और संवेदनशील इंसान के रूप में याद करते हैं।नाना एक संवेदनशील इंसान थे। महाराष्ट्र के किसानों की त्रासदी ने उन्हें भीतर तक झकझोरा। विदर्भ और मराठवाड़ा के सूखे इलाकों में जब किसानों की आत्महत्याओं की खबरें लगातार सामने आ रही थीं, तब उन्होंने केवल दुख जताने तक खुद को सीमित नहीं रखा। वे गांवों में गए, किसानों से मिले, उनके परिवारों के बीच बैठे और उनकी परेशानियों को समझने की कोशिश की। किसान परिवारों की सहायता के लिए काम शुरू किया, जो आगे चलकर ह्यनाम फाउंडेशनह्ल के रूप में सामने आया। यह नाना की जिंदगी का शायद सबसे बड़ा अध्याय था। जिस आदमी को सिनेमा ने करोड़ों लोगों की पहचान दी, उसने उस पहचान को अपने लिए नहीं, जरूरतमंदों तक पहुंचने के लिए इस्तेमाल किया।यहीं नाना पाटेकर अपने फिल्मी किरदारों से कहीं बड़े दिखाई देते हैं।

पर्दे पर उन्होंने ऐसे किरदार निभाए, जो अपने गुस्से और तेवर से व्यवस्था को चुनौती देते थे। असल जिंदगी में उन्होंने उन लोगों का साथ देने की कोशिश की, जो व्यवस्था की सबसे कमजोर सीढ़ी पर खड़े थे। शायद इसलिए उनकी सामाजिक भूमिका उनके अभिनय से अलग नहीं थी। दोनों के पीछे एक ही चीज काम करती थी– अन्याय और पीड़ा को देखकर भीतर से बेचैन हो जाना। नाना को दिखावे से हमेशा दूरी रही। उनका रहन-सहन सादा रहा। बातचीत में भी बनावटीपन नहीं था।

राशिफल

मेष राशिः आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन-देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे, जिसमे परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। जिससे आप बहुत खुश होंगे। घर के कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। लवमेट्स के बीच चल रही अनबन आज समाप्त होगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आपके लिए आज का दिन बढ़ि?या रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुये है। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल-मेल बढ़ेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलने के योग है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों से मेल-जोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में दी गई जिम्मेदारियों को आज आप बखूबी निभाएंगे। अपने सीनियर्स के साथ कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको किसी प्रकार के लेन-देन के मामले में स्पष्टता रखनी होगी। संतान के करियर में विशेष उपलब्धि मिलने से आपको खुशी मिलेगी। काफी दिनों से स्टार्टअप शुरू करने का प्लान पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आज आप एक अच्छे टीम लीडर साबित होंगे। आज आपको किसी भी बात को लेकर बहुत अधिक सोच-विचार करने से बचना होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को कोई अच्छी उपलब्धि मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का ऑफर आयेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको नौकरी से रिलेटेड कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। जिसकी आपको प्रतीक्षा थी। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिलने से पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी दोस्त की मदद से अच्छी जॉब मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। कार्य स्थल पर आपके काम की सराहना होगी। मीडिया और जन संचार से जुड़े लोगों को उनके काम के लिए प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप लेखक है और कोई किताब लिखना चाह रहे हैं तो समय अनुकूल है। सेहत के मामले में आज आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए है,

सू- दोकू क्र. 185

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.184 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और स्मरण का अवसर

पूर्वजों का श्राद्ध व तर्पण उनके प्रति कृतज्ञता और आत्मचिंतन का मौका है। साइंस डीएनए से पीढ़ियों की निरंतरता समझाती है, वहीं दर्शन इसे स्मृति व संस्कारों से जोड़ता है। तर्पण का जल अतीत से संबंध का प्रतीक है। इस समय व्यक्ति पूर्वजों का नाम लेकर मानता है कि उसका वर्तमान अकेले उसने नहीं बनाया।श्राद्ध और तर्पण को केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, स्मृति, कृतज्ञता और पीढ़ियों से मिले संस्कारों को समझने की एक भारतीय दृष्टि के रूप में भी देखा जा सकता है। हमारे जेहन में शायद अपने पूर्वजों के नाम, गांव, कुछ पारिवारिक घटनाओं और उनसे जुड़ी कुछ स्मृतियां ही हैं। लेकिन हमारी सोच, व्यवहार, डर, आदतें और जीने के कुछ तरीके भी पिछली पीढ़ियों से हम तक पहुंचे हो सकते हैं।विज्ञान के मुताबिक, हमारी जैविक संरचना में डीएनए की अहम भूमिका है। हमें अपने माता-पिता से आनुवंशिक सामग्री मिलती है और इस तरह जैविक निरंतरता पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती रहती है। वहीं शोधों में सामने आया कि जीन की अभिव्यक्ति पर माहौल, जीवनशैली और अनुभवों का प्रभाव पड़ सकता है। इसे समझने को एपिजेनेटिक्स अहम क्षेत्र है।



यहीं से भारतीय परंपरा में पूर्वजों के स्मरण व श्राद्ध-तर्पण को देखने का नया रास्ता खुलता है।मानव शरीर का बड़ा हिस्सा जल से बना है। भारतीय दर्शन ने जल को पंचमहाभूतों में स्थान दिया। वहीं तर्पण में जल अर्पित करने में गहरा सांस्कृतिक प्रतीक है–मैं अपने अस्तित्व की उस धारा को स्वीकार करता हूं, जो मुझसे पहले भी थी और मेरे बाद भी आगे जाएगी। जल अर्पित करते समय व्यक्ति पूर्वजों का नाम लेता है। अपने अतीत को याद कर स्वीकार करता है कि उसका वर्तमान अकेले उसने नहीं बनाया।यह प्रक्रिया मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी महत्वपूर्ण है। कई भावनाएं ऐसी होती हैं जिन्हें हम व्यक्त नहीं कर पाते। किसी पूर्वज के प्रति कृतज्ञता, पुराने पारिवारिक दुःख की याद या पीढ़ियों से चली आ रही अनकही कहानी-इन सबका हमारे मन पर प्रभाव हो सकता है। श्राद्ध व्यक्ति को उन भावनाओं को देखने और स्वीकार करने का अवसर देता है। हम केवल अपना वर्तमान लेकर पैदा नहीं होते। हमारा व्यक्तित्व परिवार, समाज, संस्कार, वातावरण और अनुभवों से बनता है। परिवार में पीढ़ियों से चली आ रही कुछ आदतें और व्यवहार भी अगली पीढ़ियों में दिख सकते हैं। लेकिन इसे सीधे यह कहना कि पूर्वजों की स्मृतियां डीएनए में रिकॉर्ड होकर उसी रूप में हमारे भीतर चलती हैं, वैज्ञानिक रूप से सही नहीं होगा। डीएनए और व्यवहार के बीच संबंध कहीं अधिक जटिल है।आनुवंशिकता, वातावरण और जीन-अभिव्यक्ति के अध्ययन ने यह समझने का रास्ता जरूर खोला है कि जीवन के अनुभव जैविक प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकते हैं। इसीलिए वैज्ञानिक पीढ़ियों के बीच जैविक और पर्यावरणीय प्रभावों का अध्ययन करते हैं। इस दृष्टि से ह्यपूर्वजों के डीएनए पैटर्न की हीलिंगह्ल को वैज्ञानिक सिद्ध तथ्य के बजाय एक विचारात्मक रूपक के रूप में समझना अधिक उचित होगा।जल और भावनाओं के संबंध की चर्चा में जापानी लेखक और शोधकर्ता मसारू इमोटो का नाम अक्सर लिया जाता है। हालांकि उनके निष्कर्षों को मुख्यधारा के वैज्ञानिक प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाता है। फिर भी भारतीय तर्पण परंपरा को समझने में जल का प्रतीकात्मक महत्व इससे कहीं पुराना है। भारतीय चिंतन में जल केवल भौतिक पदार्थ नहीं, जीवन और चेतना की यात्रा का प्रतीक भी रहा है। इसलिए तर्पण के समय जल अर्पित करने को ऐसी सांस्कृतिक प्रक्रिया मान सकते हैं, जिसमें व्यक्ति अपने अतीत के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है व अपना वर्तमान उस परंपरा से जोड़ता है।श्राद्ध का सबसे बड़ा परिवर्तन शायद हमारे भीतर होता है। जब कोई श्रद्धा से अपने पूर्वजों को स्मरण करता है, तो वह स्वयं अपने जीवन को देखने लगता है कि जीवन केवल मैं तक सीमित नहीं है।

विचार

कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी ने टाली बड़ी हवाई त्रासदी



घटना के बाद कैप्टन मच्छार को तबूक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। भारतीय अधिकारियों के अनुसार वह गंभीर रूप से घायल हुए थे, लेकिन उनका उपचार किया जा रहा था और उनकी स्थिति सुरक्षित बताई गई। उनकी बहादुरी की प्रशंसा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी की।आसमान में उड़ता हुआ विमान सामान्यतः यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा और मंजिल तक पहुंचने का भरोसा लेकर चलता है। विमान के भीतर बैठे लोग यह कल्पना भी नहीं करते कि कुछ ही क्षणों में वही यात्रा जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष में बदल सकती है। 30 सितंबर 2026 को दुबई से तेल अवीव जा रहे एक विमान में कुछ ऐसा ही हुआ। उड़ान के दौरान ऐसी भयावह स्थिति पैदा हुई, जिसमें विमान में सवार लोगों की जान पर गंभीर खतरा मंडराने लगा। उस समय भारतीय विमान चालक कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस साहस, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया, उसकी चर्चा भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक हिस्सों में हो रही है। हेल्पलाइननंबर पाएंदुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान संख्या एफजेड1073 में लगभग 174 यात्री सवार थे। विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था। उड़ान के दौरान विमान में कार्यरत सह-पायलट ने कथित तौर पर कैप्टन स्मित मच्छार पर चाकू से हमला किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमले के बाद विमान की स्थिति अचानक गंभीर हो गई और वह कुछ ही क्षणों में लगभग 14000 फुट नीचे चला गया। इस घटना ने विमान में मौजूद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को भारी संकट में डाल दिया।\

बिना मांगे सलाह देने वाले सिकंदर

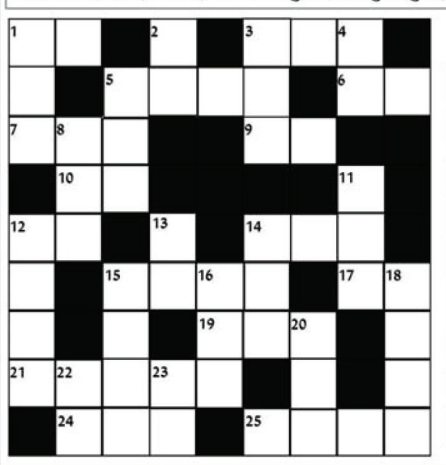
हरियाणा में सलाह देने की परंपरा जरूर ताऊ से शुरू हुई होगी। इसीलिए ताऊ सलाहगिरी का सबसे पुराना ब्रांड एंबेसडर है! उसने जितना दुनिया को देखा है, उससे ज्यादा उसने दूसरों की दुनिया में झांका है।दुनिया में कुछ चीजें ऐसी हैं, जो बिना मांगे मिलती हैं, जैसे कि मौसम की गर्मी-सर्दी, बिजली का बिल और सलाह। आपने किसी से अपनी परेशानी बताई नहीं कि सामने वाला तुरंत विशेषज्ञ बन जाता है। तुम्हें ऐसा करना चाहिए था, मैं तुम्हारी जगह होता तो, अरे, इसमें इतना सोचने की क्या बात है? और सबसे लोकप्रिय वाक्य–मेरी मानो तो... दिलचस्प बात यह है कि सलाह देने के लिए किसी योग्यता की जरूरत नहीं। डॉक्टर या वकील से संबंधित सलाह भी आम आदमी दे देगा। पड़ोसी आपके बेटे के करियर की सलाह भी दे सकता है और बहू के पराठे और पोंछा लगाने के ढंग पर भी विशेषज्ञ टिप्पणी कर सकता है। शादी की बात हो तो सलाह का बाजार और गर्म हो जाता है। रियल एस्टेट और राजनीति के सलाहकारों की तो बाढ़ आई हुई है। हर चौथी दुकान रियल एस्टेट के सलाहकारों की है।बच्चों की पढ़ाई पर तो हर व्यक्ति के पास अपना शिक्षा मंत्रालय है। बच्चे को पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। आजकल प्रतियोगिता बहुत है। हमारे जमाने में तो... और ह्यहमारे जमाने मेंह्ल के बाद जो कहानी शुरू होती है, उसका अंत होता ही नहीं।खाने-पीने में भी सलाह मुफ्त है। घर बनाओ तो नक्शे पर सलाह। घर बेचो तो फैसले पर सलाह। किसी ने नई गाड़ी खरीदनी हो तो मॉडल और माइलेज पर सलाह।सलाह देने में भी एक बड़ा सुख है। इसमें न पैसा लगता है, न मेहनत। और सबसे अच्छी बात कि नतीजा खराब निकले तो जिम्मेदारी भी अपनी नहीं। शायद इसलिए हम सब सलाह देते हैं, क्योंकि हमें लगता है कि दूसरे की जिंदगी हमें अपनी जिंदगी से ज्यादा साफ दिखाई देती है।हरियाणा में सलाह देने की परंपरा जरूर ताऊ से शुरू हुई होगी। इसीलिए ताऊ सलाहगिरी का सबसे पुराना ब्रांड एंबेसडर है! उसने जितना दुनिया को देखा है, उससे ज्यादा उसने दूसरों की दुनिया में झांका है। सबसे मजेदार बात यह है कि अब तो सलाहकारों का नया बादशाह उभर आया है, जिसका नाम है–चैटजीपीटी। बड़े फैसले तो दूर, छींकने से पहले भी लोग इससे सलाह लेते हैं। है ये भी मुफ्त।एक बर की बात है अक एक मुर्गा सुरजे की खाट धोरै फुदक रह्या था। सुरजा हो रह्या था कसूत्ता बीमार। उसकी बगल म्हं बैठी सुरजे की घरआली रामप्यारी बोल्ली–ल्या तो तैरै खात्तर चिकन सूप बणा द?यूं, के बेरा इसतै किमें बुखार म्हं फर्क पड़ ज्या। या बात सुण कै मुर्गे के तो तोते उड़गे। वो सलाह देते होये बोल्या–ए बावली! एक बर करोसिन दे कै देख ले।

शब्द सामर्थ्य -185

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे
1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 184 का हल

गु	मा	न	■	■	प	यो	द	■
न	■	ह	क	दा	र	■	ल	य
ह	वा	ला	त	■	च	■	द	म
गा	■	■	रा	ज	म	ह	ल	■
र	ई	स	■	ग	■	स	■	अ
■	मा	■	प	त	वा	र	■	ल
ख	न	क	ना	■	ह	त	■	बे
स	दा	■	ह	■	वा	■	शो	ला
रा	र	■	■	■	ही	र	क	■

गन्ना बोनस में बढ़ोतरी से भोरमदेव कारखाने के 14,961 किसानों को मिलेंगे 24.55 करोड़ रुपए की बोनस राशि

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होगी गन्ने की खरीदी



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा गन्ना बोनस की गणना का आधार 355 रुपया प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 425 रुपया प्रति क्विंटल किए जाने से गन्ना किसानों को बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से लिए गए इस निर्णय से गन्ना किसानों को बढ़ी हुई दर से बोनस का लाभ मिलेगा। इस निर्णय के फलस्वरूप पेराई सत्र 2025–26 में भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, राम्हेपुर, कवर्धा को गन्ना बेचने वाले 14,961 किसानों को लगभग 24.55 करोड़ रुपए की बोनस राशि प्राप्त होगी।

पेराई सत्र 2025–26 के लिए बोनस गणना में एफआरपी 329.05 रुपए प्रति क्विंटल का आधार लिया गया है। बढ़ी हुई दर के अनुसार 425 रुपए में से एफआरपी घटाने पर किसानों को 95.95 रुपए प्रति क्विंटल की दर से बोनस मिलेगा। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने में पेराई सत्र 2025-26 के दौरान कुल 25,58,188 क्विंटल गन्ने की पेराई हुई। इस मात्रा पर 95.95 रुपए प्रति क्विंटल की दर से लगभग 24.55 करोड़ रुपए की बोनस राशि बनेगी, जिसका लाभ कारखाने को गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों को मिलेगा।

प्रदेश के चारों सहकारी शक्कर कारखानों में पेराई सत्र 2025–26 के दौरान कुल 53,25,120 क्विंटल गन्ने की पेराई हुई है। इस आधार पर प्रदेश के कुल 31,022 गन्ना विक्रेता किसानों को लगभग 51.09 करोड़ रुपए की बोनस राशि प्राप्त होगी। नवरात्रि से पहले राज्य सरकार के इस निर्णय से गन्ना किसानों में हर्ष व्याप्त है। इससे किसानों को आर्थिक संबल मिलेगा। बढ़ी हुई बोनस राशि से किसानों को खेती की लागत वहन करने, समय पर कृषि कार्य कराने तथा आगामी फसल की बेहतर तैयारी करने में सहायता मिलेगी। इस निर्णय से कबीरधाम जिले के गन्ना किसानों में खुशी का माहौल है। किसानों ने गन्ना बोनस की गणना का आधार बढ़ाने के निर्णय पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया है। बढ़ी हुई बोनस राशि से किसानों को खेती की लागत वहन करने और आगामी फसल की तैयारी में आर्थिक सहायता मिलेगी।

धमतरी में अवैध उत्खनन पर खनिज विभाग कार्यवाही ; 7 हाईवा जेसीबी समेत 9 वाहन जब्त



धमतरी (वीएनएस)। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार खनिज विभाग की टीम द्वारा जिले भर में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में विगत दो दिनों के भीतर खनिज अमले ने तहसील कुरूद एवं धमतरी क्षेत्र में दबिश देकर अवैध रूप से मुरूम एवं रेत का परिवहन करते हुए कुल 7 हाईवा, 01 जेसीबी मशीन तथा 01 ट्रैक्टर को मौके से जब्त किया है। जब्त किए गए सभी वाहनों को सुरक्षार्थ कृषि उपज मंडी एवं कलेक्ट्रेट कम्पोजिट बिल्डिंग परिसर में खड़ा कराया गया है। खनिज विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सभी संबंधित मामलों में खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत अर्थदंड वसूली और वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बिना अनुमति खनन पर होगी सख्त कार्रवाई

प्रशासन ने कहा है कि जिले में बिना वैध अनुमति के रेत या किसी भी खनिज का उत्खनन, परिवहन अथवा भंडारण पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह की कठोर दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

शासकीय प्राथमिक शाला झाफल के बच्चों को शनिदेव महाराज, मां दुर्गा भवानी, शिव मंदिर, नवग्रह का दर्शन कराया गया



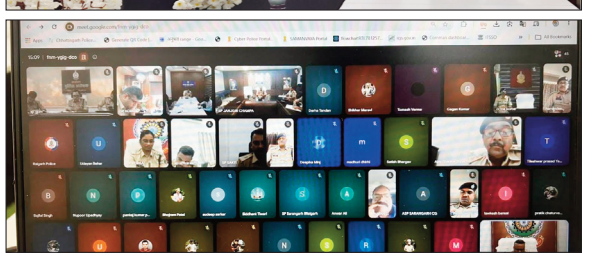
लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासकीय प्राथमिक शाला झाफल के छात्र छात्राओं को मंदिर परिसर में लगे उद्यान वाटिका में विविध पौधों से बच्चों को रूबरू कराया गया। मां आदिशक्ति जगदंबा भवानी शनि देव महाराज नवग्रह देवता और शिव परिवार के विराजमान मंदिर में दर्शन करा कर बच्चों को शैक्षणिक धार्मिक और प्राकृतिक भ्रमण कराया गया। इस बीच आओ बने इंसान कार्यक्रम में सेवानिवृत्ति फौजी कीर्ति कुमार कुलमित्र ने सैन्य जीवन के दौरान अपने जीवन में घटित घटनाओं को बच्चों के सम्मुख रखा। उस समय मोबाइल फोन नहीं होता था, घर में कोई घटना होने पर संपूर्ण कार्यक्रम होने के बाद पता चलता था ।

अपने भावना को दबाकर राष्ट्रहित के लिए जीना की सैन्य की सेवा होता है। प्रधान पाठक संजय सिंह राजपूत ने कहा कि केवल पुस्तकीय ज्ञान से ही बच्चों में संपूर्णता नहीं आ सकता।उसके लिए सर्वांगीण ज्ञान की आवश्यकता है। शारीरिक मानसिक बौद्धिक आध्यात्मिक और नैतिक ज्ञान वर्तमान परिस्थिति में देना आवश्यकहै। इस अवसर पर शिक्षक चित्ररेखा राजपूत उपस्थित रही।

आईजी रामगोपाल गर्ग ने ली बिलासपुर रेंज के पुलिस अधीक्षकों एवं राजपत्रित अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

बेसिक पुलिसिंग, फील्ड सुपरविजन और लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु दिए सख्त निर्देश





लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। रामगोपाल गर्ग पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज द्वारा रेंज के पुलिस अधीक्षकों एवं राजपत्रित अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में रेंज के वरि. पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक तथा रेंज के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण उपस्थित रहे। आईजी श्री गर्ग ने बैठक में पुलिस महानिदेशक (DGP) द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन तथा थानों की कार्यप्रणाली को दुरुस्त व पारदर्शी बनाने हेतु प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा कर निम्नलिखित निर्देश जारी किए गए:

प्रमुख समीक्षा बिंदु एवं जारी निर्देश:

थानों का भौतिक निरीक्षण एवं मालखाना जांच:* एसडीओपी/सीएसपी थानों का भ्रमण व निरीक्षण करें तथा भ्रमण रिपोर्ट मौके पर ही हस्तलिखित तैयार करें। वार्षिक निरीक्षण के दौरान मालखाने (Property Room) का बारीकी से मिलान किया जाए। जब्त माल एवं केस प्रॉपर्टी की 'चैन ऑफ कस्टडी' सही पाई जानी चाहिए ताकि माल मिसमैच या गायब होने की घटनाओं पर पूर्ण रोक लग सके। समस्त राजपत्रित अधिकारी अपनी दैनिक डायरी अनिवार्य रूप से संधारित करेंगे। गंभीर/sensational अपराधों एवं मर्ग जांच के दौरान अधिकारी केवल औपचारिकता न निभाएं, बल्कि मौके पर जाकर विवेचकों को मार्गदर्शन दें। हस्तलिखित सुपरविजन नोट तैयार कर केस डायरी का आंतरिक हिस्सा बनाएं तथा इसे Crime Review Application (CRA) पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें।

आम जनता से शालीन व्यवहार व 'जीरो टॉलरेंस' नीति:

थानों में शिकायत लेकर आने वाले आम नागरिकों व पीड़ितों के साथ पुलिस का आचरण आदर सूचक होना चाहिये कर्मचारियों के विरुद्ध शिकायतों की प्राथमिक व विभागीय जांच निष्पक्ष रूप से की जाए। लंबित स्थायी वारंटों के शत-प्रतिशत तामीली हेतु विशेष अभियान जारी करने हेतु निर्देश दिये गये।

नारकोटिक्स (NDPS) मामलों की निष्पक्ष विवेचना:

एनडीपीएस प्रकरणों में दोषमुक्ति (Acquittal) रोकने हेतु धारा 50 का कड़ाई से पालन किया जाए। कम से कम 25% से 50% मामलों में ANTF प्रभारी/राजपत्रित अधिकारी स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर पंचनामा व जब्ती की कार्यवाही अपनी देखरेख में कराएंगे। वाहन मालिकों को आरोपी बनाने से पहले उनकी संलिप्तता का सबूत जुटाएं और वाहनों को विधिवत राजसात करें। सड़क सुरक्षा, e-DAR एवं दुर्घटना मामलों की जांच: सड़क दुर्घटना की स्थिति में e-DAR पोर्टल पर मौके से ही तत्काल डाटा एंट्री सुनिश्चित की जाए। फर्जी इंश्योरेंस क्लेम और चालक बदलने जैसे कृत्यों को रोकने हेतु दुर्घटना प्रकरणों में वाहन चालक का टावर लोकेशन एवं घटनास्थल का CCTV फुटेज अनिवार्य रूप से जब्त किया जाए। मर्ग जांच, जीरो मर्ग ट्रांसफर एवं FIR निष्पादन: मर्ग जांच में अपराध घटित होना पाए जाने पर बिना विलंब एफआईआर दर्ज की जाए। अस्पतालों/चौकियों में कायम 'जीरो मर्ग' की डायरी तत्काल संबंधित थानों को भेजी जाए। थाना प्रभारी (SHO) स्वयं एफआईआर की धाराओं का बारीकी से अध्ययन कर सही धाराएं (विशेषकर महिला संबंधी अपराधों में) लागू करें और स्वयं हस्ताक्षर करें।

संरक्षित वन में हरे-भरे वृक्षों की कटाई

शिकायत के 5 दिन बाद दर्ज हुआ पीओआर

नवागढ़ रेंज के बीट क्रमांक 696 का मामला, गांव के नजदीक कटे फलदार वृक्ष : कार्रवाई में देरी पर उठे सवाल





गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। वन मंडल गरियाबंद के अंतर्गत नवागढ़ वन परिक्षेत्र में संरक्षित वन क्षेत्र के हरे-भरे फलदार वृक्षों की अवैध कटाई की जानकारी और तस्वीरें सामने आई है। गांव-बस्ती से लगी वनभूमि पर पांच - छह से अधिक हरे-भरे फलदार वृक्षों को कुल्हाड़ी से काटे जाने के मामले में ग्रामीण रुपई बाई कुर्रे ने 6 अक्टूबर को वन परिक्षेत्र कार्यालय में नामजद लिखित शिकायत की थी। इसके बावजूद कार्रवाई में देरी हुई। अब जाकर वन विभाग ने मामले में पीओआर दर्ज किया है।

हालांकि,शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई में पांच दिन का समय क्यों लगा और पीओआर में किन लोगों को जिम्मेदार माना गया है, यह सवाल महत्वपूर्ण बना हुआ है।

गांव के नजदीक कटे हरे-भरे वृक्ष

मामला नवागढ़ वन परिक्षेत्र के बीट क्रमांक 696 का है। संबंधित स्थल गांव के बिल्कुल नजदीक है। यहां शासकीय हाई स्कूल के लिये अतिरिक्त कक्ष का निर्माण हुआ है, जबकि पास में ही धान उपार्जन केंद्र भी स्थित है। इस कारण क्षेत्र में दिनभर ग्रामीणों की आवाजाही बनी रहती है।

इसके बावजूद संरक्षित वन क्षेत्र में लगे फलदार वृक्षों की कटाई हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही कुछ रसूखदार लोगों ने पांच - छह से अधिक हरे-भरे वृक्ष कटवा दिये। घटना की जानकारी मिलने के बाद भी वन अमले ने तत्काल कार्रवाई नहीं की।

मोबाइल पर सूचना फिर भी कार्रवाई में देरी

ग्रामीणों के मुताबिक, घटना की जानकारी कुछ वन कर्मियों को मोबाइल फोन के माध्यम से भी दी गई थी। इसके बाद 6 अक्टूबर को ग्रामीण रुपई बाई कुर्रे ने नवागढ़ वन परिक्षेत्र कार्यालय में नामजद लिखित शिकायत प्रस्तुत की। शिकायत के बावजूद तत्काल कार्रवाई नहीं होने से वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे।

कुछ ग्रामीणों ने यह भी बताया कि मामले को गांव में ही आपसी सलाह-मशविरे से निपटाने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन शिकायतकर्ता इसके लिये तैयार नहीं हुआ। हालांकि, इस संबंध में किसी दबाव या समझौते की कोशिश की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

रेंजर ने कहा था—कार्रवाई की जायेगी

9 अक्टूबर को वन परिक्षेत्र अधिकारी बी.आर.सोरी से दूरभाष पर चर्चा की गई। उन्होंने प्रशिक्षण में होने की जानकारी देते हुये बताया था कि मामला उनके संज्ञान में है और कार्रवाई की जायेगी।

इसके बाद आज 10 अक्टूबर को संबंधित बीटगार्ड से मिली जानकारी के अनुसार, मामले में कार्रवाई की जा रही है। काटे गये वृक्षों की बाड़बंदी किये जाने की जानकारी भी सामने आई है। वन विभाग ने अब इस मामले में पीओआर दर्ज कर लिया है।

अब पीओआर में नाम और कार्रवाई का विवरण अहम

इस मामले में पीओआर दर्ज होने के बाद महत्वपूर्ण यह होगा कि वन विभाग ने किन व्यक्तियों की भूमिका को चिह्नित किया है, और आगे क्या वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जबकि शिकायत पत्र में चार लोगों के नाम उल्लेखित है। साथ ही, 6 अक्टूबर को लिखित शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई में हुई देरी के कारणों की भी स्पष्टता जरूरी है।

संरक्षित वन क्षेत्र में हरे-भरे वृक्षों की कटाई केवल स्थानीय विवाद का विषय नहीं, बल्कि वन संरक्षण और विभागीय जवाबदेही से जुड़ा मामला है। ऐसे में पीओआर दर्ज करने के बाद की कार्रवाई कितनी प्रभावी रहती है, इस पर भी सवालिया निशान हैं।

'सेवा मेरा योगदान' के तहत चला वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान

जतमई धाम को प्लास्टिक मुक्त बनाने विधायक कलेक्टर सहित नागरिकों ने किया श्रमदान



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत शनिवार को जतमई माता मंदिर परिसर में वृक्षारोपण एवं प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। गरियाबंद वनमंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू, कलेक्टर रणबीर शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर और वनमंडलाधिकारी श्री मयंक पांडे सहित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने सहभागिता निभाई। अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और हाथों में झाड़ू लेकर मंदिर परिसर के विभिन्न हिस्सों की सफाई की। सभी ने कचरा एकत्र कर धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विधायक रोहित साहू ने रुद्राक्ष का पौधा लगाया, जबकि कलेक्टर रणबीर शर्मा ने वटवृक्ष का पौधा रोपण किया। अन्य अतिथियों ने भी पौधरोपण कर हरित वातावरण विकसित करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश दिया। पौधरोपण के बाद जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने हाथों में झाड़ू लेकर मंदिर परिसर के विभिन्न हिस्सों में सफाई की। इस दौरान कचरे को एकत्र किया गया और लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के माध्यम से वृक्षारोपण, जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने जतमई माता मंदिर में दर्शन कर जिले की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीरा ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण मौजूद रहे।

विकसित भारत के सपने को साकार करने में जनभागीदारी जरूरी : विधायक रोहित साहू

राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा जनजागरूकता एवं जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जतमई धाम में वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा लोगों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने की है, लेकिन इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

प्लास्टिक मुक्त जतमई के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : कलेक्टर रणबीर शर्मा

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने कहा कि जतमई माता मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर परिसर और आसपास के वन क्षेत्र को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती है। इसका लंबे समय तक नष्ट नहीं होना और छोटे कणों के रूप में पर्यावरण एवं खाद्य पदार्थों तक पहुंचना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि जतमई धाम को 'नो प्लास्टिक जोन' बनाने की दिशा में सामूहिक पहल की जानी चाहिए। गुटखा पाउच, प्लास्टिक पैकेट और एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को इस्तेमाल के बाद इधर-उधर फेंकने से परिसर की सुंदरता प्रभावित होती है और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है।

9 साल का इंतजार डरबन में हुआ खत्म, 2017 के बाद मैट रेनशॉ के बल्ले से आया शानदार शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ डरबन में खेले जा रहे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपनी शानदार बल्लेबाजी के दम पर टेस्ट करियर का दूसरा शतक लगाया है। खास बात यह है कि उन्होंने अपना पहला टेस्ट शतक जनवरी 2017 में बनाया था, जिसके बाद लगभग 9 साल तक यानी 18 पारियों तक वह शतक नहीं लगा पाए थे, लेकिन इस पारी में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अपने शतकों का सूखा आखिरकार खत्म कर दिया। इससे पहले बांग्लादेश सीरीज में रेनशॉ को 3 साल बाद टेस्ट में मौका मिला था।



रेनशॉ ने पाकिस्तान के खिलाफ लगाया था पहला शतक

मैट रेनशॉ के लिए यह शतक बहुत ही खास है, क्योंकि लगभग 9 साल के लंबे इंतजार के बाद टेस्ट क्रिकेट में उनके बल्ले से यह पहला शतक निकला है। इससे पहले उन्होंने जनवरी 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी में 184 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। इसके अलावा, यह शतक कई मायनों में ऐतिहासिक है। यह 2014 के बाद साउथ अफ्रीका में किसी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज द्वारा बनाया गया पहला शतक है और साथ ही 2009 के बाद डरबन के किंग्समीड मैदान पर किसी भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज का पहला शतक है।

2016 में रेनशॉ ने किया था टेस्ट डेब्यू

मैट रेनशॉ के क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2016 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने अब तक कुल 16 टेस्ट मैच खेले हैं, जहां उन्होंने 26 पारियों में 750 रन बनाए हैं, जिसमें 2 शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन काफी शानदार रहा है, जहां उन्होंने 8200 से ज्यादा रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 27 शतक और 24 अर्धशतक जड़े हैं, जिसमें उनका सबसे बड़ा स्कोर नाबाद 200 रन रहा है।

रेनशॉ में मुश्किल समय में की अच्छी बल्लेबाजी

इस टेस्ट मैच की बात करें तो जब ऑस्ट्रेलिया की टीम ने केवल 84 रन पर अपने तीन अहम विकेट गंवा दिए थे, तब मैट रेनशॉ बल्लेबाजी करने मैदान पर आए। उन्होंने साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों का डटकर मुकाबला किया और सूझबूझ दिखाते हुए 117 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने विरोधी टीम के गेंदबाजों के खिलाफ संयम के साथ बल्लेबाजी की और शानदार खेल जारी रखते हुए दूसरे दिन के पहले सत्र में ही अपने इस अर्धशतक को बेहतरीन शतक में बदल दिया। उनकी इस धैर्यपूर्ण और मजबूत पारी के दम पर ही ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 300 रन के पार पहुंच सका।

तिलक वर्मा ने टी20 क्रिकेट में किया गजब का कारनामा



नई दिल्ली (एजेंसी)। रांची के स्टेडियम में खेले गए भारत और वेस्टइंडीज के बीच में टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी तिलक वर्मा के बल्ले से 18 गेंदों में 44 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली जिसके दम पर उन्होंने एक ऐसा कारनामा कर दिया जो उनसे पहले टी20 क्रिकेट में कोई भी दूसरा खिलाड़ी करने में कामयाब नहीं हो सका था। तिलक वर्मा ने अपनी इस पारी के दम पर टी20 क्रिकेट में अपने 5000 रनों का आंकड़ा भी पूरा कर लिया जिसमें वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले सिर्फ पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जो 40 से अधिक के औसत और 140 प्लस के स्ट्राइक रेट के साथ पूरा करने में कामयाब हुए हैं।

टी20 क्रिकेट में तिलक वर्मा की गिनती मैच फिनिशर खिलाड़ी के तौर पर की जाती है जिसमें अभी तक उन्होंने इस भूमिका काफी बखूबी अंजाम दिया है। तिलक वर्मा ने टी20 क्रिकेट में अपने 5000 रनों का आंकड़ा अपने 175वें मैच में पूरा किया जिसमें उन्होंने 166 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 41.57 के औसत से 5031 रन बनाए हैं, जिसमें उनके बल्ले से 5 शतकीय और 30 अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। इस दौरान तिलक वर्मा के स्ट्राइक रेट को लेकर बात की जाए तो वह 145.36 का देखने को मिला है।

ईशान किशन T20I में एक साल में 50 से अधिक छक्के लगाने वाले बने सिर्फ तीसरे भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 249 रनों का स्कोर बनाने के बावजूद रांची के मैदान पर हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में साल 2026 में टीम इंडिया में वापसी करने वाले ईशान किशन का बल्ले से एकबार फिर से शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें उन्होंने रांची टी20 मैच में 22 गेंदों का सामना करते हुए 43 रनों की पारी खेली। इस दौरान ईशान किशन ने एक ऐसा कारनामा किया जो अब तक टी20 इंटरनेशनल में सिर्फ 2 भारतीय खिलाड़ी करने में कामयाब हो सके थे, जिसमें अब वह लिस्ट में तीसरे भारतीय खिलाड़ी के तौर पर इसका हिस्सा बने हैं।

टी20 इंटरनेशनल में साल 2026 में ईशान किशन का बल्ले से जबरदस्त फॉर्म देखने को मिला है, जिसमें वह अभी मौजूदा आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में पहली पोजीशन पर भी काबिज हैं। ईशान किशन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में अपनी 43 रनों की पारी के दौरान कुल 2 छक्के भी लगाए जिसके साथ ही वह एक साल में 50 या उससे अधिक सिक्स लगाने वाले अब सिर्फ तीसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। ईशान से पहले यह कारनामा एक बार पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने किया तो वहीं अभिषेक शर्मा 2 बार इस कारनामे को अंजाम देने में कामयाब रहे हैं। एक साल में टी20 इंटरनेशनल में भारतीय टीम की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड सूर्यकुमार यादव के नाम पर है जिन्होंने साल 2022 में कुल 68 छक्के लगाए थे।

सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ने से ईशान 80 रन दूर

भारतीय टीम की तरफ से टी20 इंटरनेशनल में एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अभी पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव के नाम पर है, जिसको ईशान किशन तोड़ने के अब काफी करीब पहुंच चुके हैं। सूर्या ने साल 2022 में 1164 रन बनाए थे तो वहीं ईशान किशन साल 2026 में अब तक 1085 रन बना चुके हैं और ऐसे में उनको यह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए अब सिर्फ 80 रनों की और दरकार है।

दूसरे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए गुड न्यूज जोश इंगलिस की टेस्ट टीम में होगी वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जोश इंगलिस अब उंगली की चोट से उबर चुके हैं और साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले फिर से टीम के साथ जुड़ने जा रहे हैं। पिछले महीने डरबन में खेले गए पहले वनडे मैच के दौरान उनकी उंगली में फ्रैक्चर हो गया था, जिसकी वजह से वे बीच सीरीज में ही ऑस्ट्रेलिया वापस लौट आए थे। राहत की बात यह रही कि उनकी सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ी। उनकी ताजा मेडिकल रिपोर्ट में सुधार बहुत अच्छा आया है। इसे देखते हुए पूरी उम्मीद है कि वे इस टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

जोश इंगलिस के चोटिल होकर बाहर होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की मुश्किलें बढ़ गई थीं, क्योंकि वो विकेटकीपिंग और बैटिंग दोनों संभाल लेते हैं। हालांकि उन्होंने अपने अब तक के सभी 5 टेस्ट मैच बतौर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज ही खेले हैं। इंगलिस के बाहर होने के बाद उनकी कमी को पूरा करने के लिए टीम में दो खिलाड़ियों को शामिल करना पड़ा। इसके लिए भारत दौरे पर गई ऑस्ट्रेलिया ए टीम से सैम हार्पर को बुलाया गया और साथ ही निक मैडिनसन की भी वाली वापसी कराई गई।



ऑस्ट्रेलियाई टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा कि जोश इंगलिस के चोटिल होने से टीम का संतुलन बिगड़ गया था, क्योंकि उनकी कमी भरने के लिए एक नहीं बल्कि दो खिलाड़ियों को लाना पड़ा। उन्होंने बताया कि इंगलिस के टीम में होने से प्लेइंग इलेवन काफी फ्लेक्सिबल रहता है, लेकिन उनके बाहर होने पर पहले सैम हार्पर को बैक-अप विकेटकीपर के तौर पर रखना पड़ा और फिर इसी मजबूरी के चलते निक मैडिनसन को भी टीम में शामिल करना पड़ा।

इस चोट के बाद कैमरन ग्रीन भी पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण डरबन में होने वाले पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए। यह चोट उन्हें पॉचेफस्ट्रूम में खेले गए आखिरी वनडे मैच के दौरान लगी थी। दूसरे टेस्ट मैच में उनके खेलने को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। कोच मैकडोनाल्ड ने साफ किया है कि इस पूरी सीरीज के दौरान उनके एक ऑलराउंडर के तौर पर खेलने की संभावना काफी कम है। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट गकेबरहा में 18 अक्टूबर से खेला जाएगा।

व्यापार

20 से ज्यादा देशों में पहुंचा बिहार का मखाना, अगले 5 साल में 30,000 टन निर्यात का लक्ष्य

पटना (एजेंसी)। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य का मखाना 20 से ज्यादा देशों के बाजारों में पहुंच चुका है। राज्य के कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030-31 (अगले 5 साल) तक मखाना का निर्यात बढ़ाकर 30 हजार मीट्रिक टन करना है। कृषि विभाग के अनुसार, राज्य सरकार कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) के सहयोग से GI टैग प्राप्त मिथिला मखाना को अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशिष्ट पहचान दिलाने की कोशिश कर रही है।



'मखाना से समृद्धि अभियान' चला रही है बिहार सरकार

विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि सरकार वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक 5 साल के लिए 'मखाना से समृद्धि अभियान' चला रही है। इसके तहत मखाना की खेती का रकबा दोगुना करने, उत्पादन बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिहार की हिस्सेदारी मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि देश के कुल मखाना उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी करीब 80 से 85 प्रतिशत है।

20 से ज्यादा देशों को किया 7200 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाने का निर्यात

बिहार के कृषि मंत्री के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 20 से ज्यादा देशों को 7200 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाना और उससे बने अन्य उत्पादों का निर्यात किया। इससे 2.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय हुई। अमेरिका, पश्चिम एशिया और अफ्रीका समेत अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाना की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने बताया कि इस साल GI (भौगोलिक संकेत) टैग प्राप्त मिथिला मखाना की खेप अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ग्रीस पहुंची है।

समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया भेजा गया 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना

पहली बार बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (BIADA) के बिहटा औद्योगिक क्षेत्र से GI टैग वाले मिथिला मखाना की 18 मीट्रिक टन की खेप समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया भेजी गई। सिन्हा ने कहा कि मखाना की क्वालिटी सुनिश्चित करने, GI टैग के जरिए उसकी पहचान मजबूत करने और किसानों की बाजार तक पहुंच बेहतर बनाने से उनकी आय बढ़ाने के नए मौके पैदा हो रहे हैं। मंत्री के अनुसार, अभियान के तहत मखाना की खेती का रकबा वित्त वर्ष 2025-26 के 41 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 2030-31 तक 82 हजार हेक्टेयर करने का लक्ष्य है।

शेयर बाजार के नियम तोड़ने वालों के लिए SEBI का नया सेटलमेंट फॉर्मूला

मुंबई (एजेंसी)। शेयर बाजार में नियमों का उल्लंघन करने वालों के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने सेटलमेंट प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। नए नियमों के तहत अब ₹10 लाख तक की सेटलमेंट रकम वाले मामलों का तेजी से निपटारा किया जा सकेगा। इसके साथ ही सेटलमेंट की रकम तय करने का फॉर्मूला भी बदल दिया गया है। नए नियमों का मकसद प्रक्रिया को आसान, पारदर्शी और अनुमान के मुताबिक बनाना है, ताकि छोटे मामलों में अनावश्यक देरी न हो। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नियम तोड़ने वालों को राहत देकर छोड़ दिया जाएगा। सेटलमेंट के साथ जरूरी नियामकीय शर्तें और गलत कमाई की वसूली भी लागू हो सकती है।

SEBI की 6 अक्टूबर की अधिसूचना के मुताबिक, नए सेटलमेंट फ्रेमवर्क में रकम तय करने के लिए एक आधार राशि निर्धारित की जाएगी। यह राशि संबंधित उल्लंघन के लिए प्रतिभूति कानूनों के तहत तय न्यूनतम जुर्माने से जुड़ी होगी। इसके बाद मामले की स्थिति, पहले की गई नियामकीय कार्रवाई, उल्लंघन की गंभीरता, मामले को बढ़ाने वाले या राहत देने वाले कारकों और कानूनी खर्चों को ध्यान में रखकर राशि में बदलाव किया जाएगा। इससे अलग-अलग मामलों में सेटलमेंट की रकम तय करने की प्रक्रिया अधिक स्पष्ट और अनुमानित बनाने में मदद मिलेगी। नए नियमों का एक अहम बदलाव यह है कि गलत तरीके से कमाए गए पैसे, नुकसान से बचाई गई रकम या निवेशकों को हुए नुकसान को आधार राशि में शामिल नहीं किया जाएगा।

RBI ने बैंकों के लिए CRR की दैनिक अनिवार्य सीमा 90 से बढ़ाकर 99 प्रतिशत की

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने शुक्रवार को बैंकों के लिए कैश रिजर्व रेश्यो (CRR) की अनिवार्य राशि का दैनिक आधार पर कम-से-कम 99 प्रतिशत बनाए रखना जरूरी कर दिया है। फिलहाल ये सीमा 90 प्रतिशत है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि नया नियम 16 अक्टूबर, 2026 से लागू होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग सिस्टम में नकदी की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करने के बाद बैंकों के लिए CRR की दैनिक अनिवार्य सीमा को 90 प्रतिशत से बढ़ाकर 99 प्रतिशत करने का फैसला किया है।

कैश रिजर्व रेश्यो (CRR) क्या होता है

वर्तमान में अनुसूचित बैंकों को पखवाड़े के प्रत्येक दिन अनिवार्य कैश रिजर्व रेश्यो का कम-से-कम 90 प्रतिशत बनाए रखना होता है। हालांकि, पूरे पखवाड़े के दौरान दैनिक आधार पर बनाए गए कैश रिजर्व रेश्यो का औसत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित अनिवार्य अनुपात से कम नहीं होना चाहिए। कैश रिजर्व रेश्यो (CRR) वो न्यूनतम राशि है, जो बैंकों को अपनी कुल जमा राशि के एक निश्चित प्रतिशत के रूप में आरबीआई के पास नकद रखनी होती है।

बैंकिंग सिस्टम में लगभग 3.88 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी

दैनिक आधार पर CRR की अनिवार्य सीमा बढ़ने से बैंकों के पास उपलब्ध नकदी के प्रबंधन पर असर पड़ेगा। बताते चलें कि 8 अक्टूबर तक देश के बैंकिंग सिस्टम में लगभग 3.88 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी थी। भारतीय रिजर्व बैंक पिछले दो महीनों से इस अतिरिक्त नकदी को कम करने के लिए वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो (VRRR) नीलामी सहित कई उपाय कर रहा है। इस सप्ताह की शुरुआत में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा था कि वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक अतिरिक्त नकदी की स्थिति खत्म हो जाएगी। हालांकि, उन्होंने सीआरआर बढ़ाने को सबसे कम पसंदीदा विकल्प बताया था।

बैंकिंग सिस्टम में कहां और कैसे आई अतिरिक्त नकदी

बैंकिंग सिस्टम में अतिरिक्त नकदी मुख्य रूप से बैंकों द्वारा विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा जुटाने से आई। इन जमाओं से विदेशी मुद्रा प्रणाली में आई, जबकि बाद में आरबीआई के साथ किए गए स्वैप से बैंकों को रुपये की नकदी मिली। इसके अलावा, महीने के अंत में सैलरी और पेंशन के भुगतान सहित सरकार के खर्च से भी बैंकिंग सिस्टम में नकदी बढ़ी।

2 दिनों में 5500 रुपये महंगा हुआ सोना 1 दिन में 4500 रुपये बढ़ी चांदी की कीमतें

मुंबई (एजेंसी)। डॉलर में गिरावट से निवेशकों की धारणा मजबूत होने के बीच सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला। शुक्रवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी 4500 रुपये और सोना 1900 रुपये महंगा हो गया। शुक्रवार को सोने की कीमतें लगातार दूसरे सत्र में तेजी के साथ बंद हुईं। बताते चलें कि शनिवार और रविवार को सर्राफा बाजार बंद रहते हैं।

2 दिनों में 5500 रुपये महंगा हुआ सोना

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1900 रुपये बढ़कर 1,54,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। गुरुवार को सोने का भाव 3600 रुपये की बंपर बढ़त लेकर 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस तरह से, सोने की कीमतें सिर्फ दो दिन में 5500 रुपये बढ़ गई।

शुक्रवार को चांदी की कीमतों में दर्ज की गई 4500 रुपये की तेजी

चांदी की कीमत में भी गिरावट का सिलसिला थम गया और ये शुक्रवार को 4500 रुपये बढ़कर 2,28,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रही। गुरुवार को चांदी का भाव 3000 रुपये टूटकर 2.24 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया था, जबकि सप्ताह के शुरुआती तीन कारोबारी सत्रों में ये स्थिर रही थी।

अमेरिकी डॉलर में गिरावट से महंगा हुआ सोना

ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म लेमन के रिसर्च हेड, गौरव गर्ग ने कहा, "अमेरिकी डॉलर हाल के उच्च स्तर से नीचे आया, जिससे महंगाई को लेकर चिंताओं के बावजूद कीमती धातुओं की कीमतों को समर्थन मिला और सोने के भाव में तेजी आई।"

चांदी को भी मिला फायदा

गर्ग ने कहा कि कीमती धातुओं की कीमतों में व्यापक सुधार से चांदी को भी फायदा हुआ। रुपये की लगातार कमजोरी से आयातित वस्तुओं की घरेलू लागत बढ़ रही है। हाल की तेजी से उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह के बाद पिछले दो कारोबारी सत्रों में सोने की कीमत 4,600 रुपये यानी 3.07 प्रतिशत बढ़ी है। वहीं, घरेलू बाजार में चांदी की कीमत 1,500 रुपये यानी करीब एक प्रतिशत बढ़ी है।



अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी महंगा हुआ सोना और चांदी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोने की कीमत 48.35 डॉलर यानी 1.17 प्रतिशत बढ़कर 4,181.98 डॉलर प्रति औंस हो गई। वहीं, तीन महीने के निचले स्तर तक गिरने के बाद चांदी की कीमत दो प्रतिशत उछलकर 60.32 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

तेल की कीमतों में अचानक तेजी आने से सोने पर पड़ सकता है दबाव

मिराए एसेट शेयरखान में कमोडिटी हेड प्रवीण सिंह ने कहा, "अमेरिकी डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच हाजिर सोने का कारोबार एक प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के साथ करीब 4,180 डॉलर प्रति औंस पर रहा।" प्रवीण सिंह ने कहा कि आने वाले समय में सोने की कीमत सीमित दायरे में रह सकती हैं और इनमें मामूली तेजी का रुख बना रह सकता है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि तेल की कीमतों में अचानक तेजी आने से सोने की कीमतों पर दबाव पड़ सकता है।

झलमला के प्रसिद्ध मां गंगा मइया मंदिर में शारदीय नवरात्र का उल्लास

1300 ज्योति कलशों से जगमग होगा धाम, सुरक्षा व सुविधाओं के व्यापक इंतजाम



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में आदिशक्ति की भक्ति और उपासना का महापर्व शारदीय नवरात्र बेहद भव्य एवं भक्तिमय माहौल में आयोजित होने जा रहा है। रविवार, 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे इस पावन उत्सव को लेकर जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण अंचलों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। हर तरफ मनमोहक पूजा पंडाल, सतरंगी विद्युत रोशनी और माता रानी की प्रतिमाओं की स्थापना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी कड़ी में बालोद के सबसे प्रतिष्ठित धार्मिक आस्था के केंद्र—झलमला स्थित मां गंगा मइया मंदिर परिसर में वृहद तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं, जहां इस वर्ष श्रद्धालुओं द्वारा 1300 मनौतियों के ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाएंगे। नवरात्र पर्व के प्रथम दिन, यानी 11 अक्टूबर को ठीक दोपहर 12 बजे मंदिर के ज्योति कक्ष में पूर्ण विधि-विधान के साथ 1300 ज्योति कलशों की स्थापना कर उन्हें प्रज्वलित किया जाएगा। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, इनमें तांबे के पात्रों में 200 घी के और मिट्टी के पात्रों में 1100 तेल के अखंड ज्योति कलश शामिल हैं। श्रद्धालुओं की प्रगाढ़ आस्था को ध्यान में रखते हुए इस बार घी के कलशों की संख्या में इजाफा किया गया है।

उल्लेखनीय है कि सभी 1300 दीपों की बुकिंग समय से पूर्व ही पूरी हो चुकी है, जिसके बाद भी देश के कोने-कोने—विशेषकर राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों से भक्तों के लगातार आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। श्रद्धालुओं के इस अपार रुझान को देखते हुए मंदिर समिति ने आगामी वर्षों में स्थान एवं संसाधनों के अनुरूप ज्योति कलशों की संख्या बढ़ाने की योजना बनाई है। 11 से 20 अक्टूबर तक चलने वाले इस 10 दिवसीय नवरात्रोत्सव के दौरान मां गंगा मइया धाम में अध्यात्म की गंगा बहेगी। प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से वृंदावन से पधारे सुप्रसिद्ध आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री एवं उनके सहयोगी विद्वान पंडितों के सानिध्य में शतचंडी महायज्ञ और श्री दुर्गा सप्तशती का सस्वर पाठ संपन्न होगा। इस वर्ष श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और पूजा-अर्चना को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए अतिरिक्त आचार्यों की भी विशेष नियुक्ति की गई है। इसके अतिरिक्त रामधुनी, हरिकथा और पारंपरिक माता सेवा के भजनों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहेगा।

दिनांक 19 अक्टूबर (महाष्टमी) : दोपहर 12 बजे पूर्णाहुति एवं महाहवन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ज्योति कलश स्थापित करने वाले यजमानों को विशेष रूप से शामिल होने का सुअवसर प्राप्त होगा। इसी दिन शाम 4 बजे मंदिर ट्रस्ट एवं दानदाताओं के साझे सहयोग से विशाल कन्या भोज आयोजित होगा, जहां देवी स्वरूपा कन्याओं का पद-प्रक्षालन कर उन्हें आदरपूर्वक भोजन कराया जाएगा। दिनांक 20 अक्टूबर (महानवमी/विसर्जन) : उत्सव के अंतिम दिन शाम 4 बजे मंदिर प्रांगण से एक विशाल एवं भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसके लिए मार्ग व्यवस्था और सुरक्षा की विशेष रूपरेखा तैयार की गई है। नवरात्र के दौरान दूर-दराज से लाखों की संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुगमता के लिए मंदिर प्रशासन एवं जिला पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। भीड़ प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी, पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा और सुगम यातायात व्यवस्था हेतु व्यापक पुलिस बल व स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है, ताकि सभी भक्तजन निर्विघ्न रूप से मां गंगा मइया के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित कर सकें।

DAC Academy में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफल आयोजन, सैकड़ों विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने उठाया लाभ



बिलासपुर ■ दैनन्दिनी

DAC Academy, नेहरू चौक, बिलासपुर में शुक्रवार को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि तिलकनगर, बिलासपुर के स्थानीय पार्षद श्री लक्ष्मी नारायण कश्यप जी के करकमलों से हुआ।

इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना था। शिविर में नाक, कान एवं गला (ENT), दंत परीक्षण तथा नेत्र परीक्षण की सुविधाएँ प्रदान की गईं।

इस शिविर में सैकड़ों विद्यार्थियों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया। रायपुर से आई चिकित्सकों की टीम ने उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। इस पहल से विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक होने और समय पर जाँच कराने का अवसर मिला।



कार्यक्रम में DAC Academy के निदेशक श्री D. P. Goswami, बिलासपुर शाखा प्रमुख पिंटू सर, डिप्टी डायरेक्टर अनिकेता मैडम, डॉ. श्रद्धा निर्मलकर, आशीष ठाकुर, शिक्षक कृष्णा सर तथा प्रीति टिशु संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक पीयूष जैन सहित अन्य सहयोगियों ने भी अपनी सहभागिता निभाई।

इस जनहितकारी आयोजन में Roopjeevan Hospital, ASG Eye Hospital, Shrivedam Dental and Ayurvedic Clinic तथा S.S. Creation का सहयोग रहा। सभी सहयोगी संस्थानों एवं चिकित्सकों के योगदान से शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

D A C Academy के निदेशक श्री D. P. Goswami ने मुख्य अतिथि श्री लक्ष्मी नारायण कश्यप जी, रायपुर से आई चिकित्सक टीम, सभी सहयोगी संस्थानों, उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज सेवा और जनस्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। DAC Academy भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों के माध्यम से समाज सेवा के लिए प्रयासरत रहेगी।

यह शिविर समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व को समझाने तथा विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

अबूझमाड़ के दूरस्थ अंचलों तक पहुंच रहीं स्वास्थ्य सेवाएं

नारायणपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप तथा कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार जिले के दूरस्थ एवं दुर्गम वनांचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट अबूझमाड़ के सुदूर गांवों में रहने वाले जनजातीय परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है। इस पहल के माध्यम से उन ग्रामीणों तक भी निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श पहुंच रहा है, जिनके लिए भौगोलिक कठिनाइयों के कारण अस्पताल तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण रहा है। कलेक्टर नम्रता जैन के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 01 जनवरी 2026 से 07 सितंबर 2026 तक नारायणपुर एवं ओरछा विकासखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान संचालित किया गया।

मंदिर क्षेत्र, दुर्गा पंडाल के आसपास नहीं लगेंगे अंडा-बिरयानी की दुकानें : चंद्रवंशी

नगर पालिका अध्यक्ष व व्यापारियों की बीच हुई सार्थक चर्चा



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने क्वांर नवरात्रि को लेकर शहर के अलग-अलग स्थानों पर अंडा, बिरयानी जैसे दुकानो का व्यवसाय कर रहे व्यवसायियों के साथ एक बैठक आयोजित की। नवरात्रि के पावन अवसर पर कवर्धा नगर की सांस्कृतिक एवं धार्मिक भावनाओं की महत्ता को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा आयोजित बैठक में व्यापारियों ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि नवरात्रि पर्व के अवसर पर मंदिर क्षेत्र के आसपास दुकानें बंद रखने एवं निर्धारित स्थल में दुकान संचालित करने निर्णय लिया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने आज अंडा बिरयानी की दुकान लगाने वाले व्यवसासियों के साथ बैठक कर नवरात्रि पर्व में व्यवसाय संचालन को लेकर चर्चा की। कवर्धा के लोग नवरात्रि के नौ दिनों को पूर्ण पवित्रता और आस्था के साथ मनाते हैं इस हेतु आज उन्होनें बैठक में बताया कि नवरात्रि पर्व हमारे कवर्धा शहर की आत्मा है। धर्म नगरी तथा देवभूमि के रूप में प्रसिद्ध कवर्धा माँ विंध्यवासिनी, माँ महामाया, माँ दंतेश्वरी और माँ सिंहवाहिनी व अन्य देवी-देवताओं का साक्षात वास है। उन्होनें बैठक में कहा कि नगर के सभी नागरिक माँ दुर्गा के नौ रूपों के दर्शन सात्विक व धार्मिक वातावरण में कर सकें और पूरे नगर का माहौल श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण बना रहे। व्यापारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इस पवित्र त्यौहार की गरिमा को ध्यान में रखते हेतु अंडा बिरयानी की दुकान नवरात्रि पर्व में मंदिर क्षेत्र के आसपास नही लगाने का आश्वासन दिया। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के साथ पार्षद संजीव कुर्रे, एल्डरमेन राजेन्द्र सलूजा एवं व्यापारीगण अधिक संख्या में उपस्थित थे।

नर्मदा परिक्रमा से सकुशल लौटे राधेमोहन रामायण समिति के सदस्य, गौरेला में हुआ भव्य स्वागत

15 दिनों की यात्रा के बाद अमरकंटक में पूजन-अर्चन कर गौरेला पहुंचे श्रद्धालु, नगरवासियों ने किया अभिनंदन



गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। नर्मदा परिक्रमा की पावन यात्रा पूर्ण कर सकुशल लौटे राधेमोहन रामायण समिति के सदस्यों का गौरेला में आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। 15 दिनों की इस धार्मिक यात्रा के समापन के बाद अमरकंटक में पूजन-अर्चन कर श्रद्धालु गौरेला पहुंचे, जहां नगर पालिका परिषद की उपाध्यक्ष रोशनी तापस शर्मा सहित नगरवासियों ने उनका स्वागत किया।

नर्मदा परिक्रमा पूर्ण कर लौटे समाजसेवी मथुरा सोनी ने यात्रा के दौरान हुए धार्मिक अनुभवों एवं महत्वपूर्ण पड़ावों का यात्रा वृतांत साझा किया। उन्होंने यात्रा के अनुभव बताते हुए नर्मदा मैया की महिमा, आस्था और आध्यात्मिक अनुभूति का वर्णन किया। यात्रा से लौटे सदस्यों के प्रति लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके सकुशल आगमन पर शुभकामनाएं दीं।

इस धार्मिक यात्रा के सफल आयोजन एवं व्यवस्थाओं में सीताराम तिवारी, मोहन गुप्ता और मंजू नामदेव का विशेष योगदान रहा। उनके सहयोग से यात्रा से जुड़े कार्यों को सुचारू रूप से संपन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

नर्मदा परिक्रमा भारतीय संस्कृति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक मानी जाती है। राधेमोहन रामायण समिति के सदस्यों की इस यात्रा ने नगर में धार्मिक उत्साह और भक्ति का वातावरण निर्मित किया। सकुशल वापसी पर हुए स्वागत ने श्रद्धालुओं की आस्था और नगरवासियों के आपसी स्नेह को एक बार फिर प्रदर्शित किया।

सभी नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत करने पहुंचे नगर पालिका परिषद गौरेला की उपाध्यक्ष रोशनी शर्मा, कौशलमणि तिवारी चकाचक महराज, भगत मेथवानी, अजीत गहलोत, तापस शर्मा, रविंद्र पांडेय, मौसम ताम्रकर, दिनेश गुप्ता, प्रणय सोनी, सुमित श्रीवास सहित बड़ी संख्या में उपस्थित जनों ने सभी का स्वागत किया और मीठा आतिशबाजी कर ख़ुशी ज़ाहिर की!

भौतिकशास्त्र विभाग में अभिभावक - शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालोद के भौतिकशास्त्र विभाग में दिनांक 10 अक्टूबर 2026 को अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, विभागीय गतिविधियों तथा विशेष रूप से प्रायोगिक एवं परियोजना कार्य के दौरान विद्यार्थियों को होने वाली समस्याओं पर चर्चा करना और उनके समाधान हेतु पालकों से सुझाव प्राप्त करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ भौतिकशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर. डी. साहू द्वारा किया गया। बैठक में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे के खलखो की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्राचार्य महोदय ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास, अनुशासन तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर मार्गदर्शन प्रदान किया। विभाग की ओर से डॉ. नीरज वर्मा, डॉ. नेहा एवं डॉ. प्रिंस जैन ने भी पालकों के साथ विचार-विमर्श किया तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं और विभागीय गतिविधियों से संबंधित विषयों पर अपने विचार साझा किए।

बैठक के दौरान पालकों ने विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट वर्क से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक समस्याओं एवं आवश्यकताओं की ओर विभाग का ध्यान आकर्षित किया। विशेष रूप से परियोजना कार्य के लिए आवश्यक सामग्री एवं उपकरणों की उपलब्धता, उपकरणों और अन्य संसाधनों पर होने वाले खर्च, नमूने तैयार करने तथा प्रायोगिक कार्यों को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों को अन्य संस्थानों में जाना पड़ने जैसी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। पालकों ने इन कार्यों में होने वाले व्यय तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

इसके अतिरिक्त, बैठक में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता, आंतरिक परीक्षाओं के अंकों, पाठ्यक्रम की प्रगति, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों तथा परियोजना एवं शोध कार्य से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। पालकों ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय और अभिभावकों के बीच निरंतर संवाद एवं सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. आर. डी. साहू एवं उपस्थित प्राध्यापकों ने पालकों द्वारा दिए गए सुझावों को गंभीरता से सुना तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और प्रायोगिक कार्यों के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के महत्व को रेखांकित किया। बैठक में यह स्पष्ट हुआ कि विद्यार्थियों के परियोजना कार्य को अधिक सुगम, उपयोगी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए विभाग, महाविद्यालय और पालकों के बीच समन्वय आवश्यक है।

अंततः बैठक सकारात्मक एवं रचनात्मक विचार-विमर्श के साथ संपन्न हुई। इस बैठक से विद्यार्थियों की समस्याओं को समझने, पालकों के सुझाव प्राप्त करने तथा भौतिकशास्त्र विभाग की शैक्षणिक एवं प्रायोगिक गतिविधियों को और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण संवाद स्थापित हुआ।

स्वच्छ भारत मिशन से बालोद के गांवों में मजबूत हो रही कचरा प्रबंधन व्यवस्था

राज्य सलाहकार अभिलाषा आनंद ने कुरदी पंचायत और रुदा के फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का किया निरीक्षण, स्वच्छता कार्यों की सराहना



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत बालोद जिले के गांवों में स्वच्छता और बेहतर कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राज्य सलाहकार श्रीमती अभिलाषा आनंद ने गुंडरदेही विकासखंड की ग्राम पंचायत कुरदी का निरीक्षण कर स्वच्छता कार्यों और ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान राज्य सलाहकार ने गांव में घर-घर से कचरा एकत्र करने, गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा प्लास्टिक अपशिष्ट के उचित प्रबंधन की व्यवस्था देखी। उन्होंने स्वच्छता दीदियों द्वारा किए जा रहे कार्यों और ग्रामीणों की सहभागिता से संचालित स्वच्छता गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने इन प्रयासों की सराहना करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को निरंतर बेहतर बनाए रखने पर जोर दिया।

'गंदे पानी के प्रबंधन से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा'

गांव में गंदे पानी के उचित निपटारे के लिए बनाए गए मैजिक पिट और सोख्ता गड्ढों का भी निरीक्षण किया गया। इन संरचनाओं से पानी का जमाव कम करने और पानी को जमीन में समाने में मदद मिलती है। इससे जलभराव की समस्या दूर करने के साथ भूजल पुनर्भरण को भी बढ़ावा मिलता है।

राज्य सलाहकार ने गुंडरदेही विकासखंड के ग्राम रुदा में तीन किलोलीटर प्रतिदिन (3 केएलडी) क्षमता वाले फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया। इस संयंत्र के माध्यम से फीकल स्लज का सुरक्षित उपचार करने और स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। राज्य सलाहकार श्रीमती अभिलाषा आनंद ने कहा कि स्वच्छता का उद्देश्य केवल कचरे का निपटान करना नहीं, बल्कि गांवों को स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण के अनुकूल बनाना भी है। उन्होंने इस कार्य में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए स्वच्छता संबंधी नियमों का पालन करने और जनजागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत इस तरह के प्रयासों से गांवों में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीणों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है।

गन्ना किसानों के हित में बड़ा निर्णय: अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होगी गन्ने की खरीदी

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के गन्ना किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शक्कर कारखानों में गन्ने की खरीदी अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किए जाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता की खुशहाली ही समृद्ध छत्तीसगढ़ का आधार है। किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिले, खेती लाभकारी बने और किसान परिवार आर्थिक रूप से निरंतर सशक्त हों, इसके लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय से आज भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में संगठन मंत्री श्री मनीष शर्मा, महामंत्री श्री नवीन शेष सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रदेश के किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के दौरान गन्ना उत्पादक किसानों के हितों से संबंधित विषय भी प्रमुखता से सामने आया। मुख्यमंत्री ने किसानों की भावनाओं और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर त्वरित पहल की और शक्कर कारखानों के लिए गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने का निर्णय लिया।पेराई सत्र 2025- 26 में की गई खरीदी का भुगतान भी बढ़े हुए दर पर किया जाएगा।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत को कम करने तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी किसानों के हितों को अपनी नीतियों और निर्णयों के केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है। किसानों की आवश्यकताओं और समस्याओं के प्रति सरकार संवेदनशील है तथा किसान हित से जुड़े विषयों पर प्राथमिकता से निर्णय लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण समृद्धि में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेती-किसानी मजबूत होगी तो गांव मजबूत होंगे और गांवों की समृद्धि से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का उचित और बेहतर मूल्य मिले तथा कृषि उनके लिए सम्मानजनक और लाभकारी आजीविका का सशक्त माध्यम बने। भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने गन्ना किसानों के हित में लिए गए इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

डिजिटल क्रॉप सर्वे में तेजी लाने के निर्देश

अब तक 93.84 प्रतिशत काम पूरा, ग्राम सभाओं में किसानों की समस्याएं सुलझेंगी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में डिजिटल क्रॉप सर्वे का शेष कार्य 10 नवंबर तक पूरा करना होगा। मुख्य सचिव विकासशील ने शनिवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में सभी जिलों के कलेक्टरों को इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने सर्वे के दौरान फसलों की वास्तविक स्थिति दर्ज करने, डेटा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और त्रुटियों के सुधार के साथ क्रॉस वेरिफिकेशन पर विशेष जोर दिया। राजस्व सचिव शम्मी आबिदी ने बैठक में बताया कि प्रदेश में अब तक 93.84 प्रतिशत डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य सचिव ने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे का उद्देश्य प्रत्येक खसरे में बोई गई फसल और उसके क्षेत्रफल की वास्तविक जानकारी दर्ज करना है। इसके लिए फसल का भौतिक सत्यापन, जियो-टैगिंग, पॉलीगॉन निर्माण तथा संबंधित जानकारी को डिजिटल पोर्टल पर अपलोड करना जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन खसरों के नक्शे उपलब्ध नहीं हैं या जिनकी जियो-रेफरेंसिंग नहीं हुई है, उनकी पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। ग्रामवार उपलब्ध आंकड़ों का उपयोग करते हुए धान सहित अन्य फसलों की वास्तविक स्थिति दर्ज की जाए।

लापरवाही पर होगी कार्रवाई

बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे के डेटा का जिला और राज्य स्तर पर क्रॉस वेरिफिकेशन कराने पर जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि किसी भी प्रकार की त्रुटि मिलने पर तत्काल सुधार किया जाए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। रिकॉर्ड अंतिम रूप से फ्रीज होने के बाद गलतियों को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत आने वाले किसानों, वन क्षेत्रों के गांवों के किसानों, ग्राम कोटवारों और शासकीय पट्टाधारी किसानों का भी अलग से पंजीयन कर जानकारी डिजिटल क्रॉप सर्वे और एग्रीस्टैक में अपलोड करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से जनजातीय जिलों और एफआरए क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने को कहा गया। बैठक में मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को जल जीवन मिशन के कार्यों की भी समीक्षा करने के निर्देश दिए।



ग्रामवार लक्ष्य तय कर तेज करें काम

मुख्य सचिव ने कहा कि जिन जिलों में सर्वे का कार्य 90 प्रतिशत या उससे अधिक पूरा हो चुका है, वहां शेष काम तेजी से पूरा करने के लिए ग्रामवार लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। सर्वेयर, पटवारी और राजस्व विभाग के मैदानी अमले को सक्रिय कर नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्वे केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि खेतों में बोई गई फसल की वास्तविक स्थिति के आधार पर होना चाहिए। कोई भी पात्र फसल क्षेत्र सर्वे से छूटना नहीं चाहिए।

ग्राम सभाओं में होगा सत्यापन

मुख्य सचिव ने बताया कि एक नवंबर से ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें डिजिटल क्रॉप सर्वे से संबंधित प्रकरणों का सत्यापन कर किसानों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। किसानों को इसकी जानकारी देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा फसल संबंधी जानकारी में त्रुटि होने पर आपत्ति दर्ज कराने का अवसर देने के निर्देश दिए गए। ग्रामवार उन किसानों की सूची भी तैयार की जाएगी, जिनकी जानकारी में सुधार या सत्यापन जरूरी है।

बैठक में खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, राजस्व सचिव शम्मी आबिदी, संचालक भू-अभिलेख विनीत नंदनवार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सभी जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

अरुण साव के निर्देश पर एक्शन में पीडब्ल्यूडी सड़कों की मरम्मत युद्धस्तर पर शुरू

रायपुर ■ दैनन्दिनी



उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के निर्देश के बाद अंबिकापुर में सड़कों को गड्ढामुक्त करने की मुहिम तेज हो गई है। सरगुजा प्रवास के दौरान सड़कों की बदहाल स्थिति सुधारने और मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के उनके निर्देशों पर लोक निर्माण विभाग ने अमल शुरू कर दिया है। शहर के महामाया चौक से लरंग साय चौक तक सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की बीटी पैच मरम्मत युद्धस्तर पर शुरू कर दी गई है। विभाग को वित्तीय वर्ष 2026-27 में वार्षिक संधारण मद से 3 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है। इस राशि से लोक निर्माण विभाग के अंबिकापुर संभाग के विभिन्न मार्गों के कुल 150 किलोमीटर हिस्सों का संधारण किया जाएगा। सभी निर्धारित मरम्मत कार्यों को दिसम्बर तक पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने सरगुजा प्रवास के दौरान विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए सड़कों की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि सड़कों पर बने गड्ढों की शीघ्र मरम्मत की जाए, ताकि आम नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने सड़क संधारण कार्यों में तेजी लाने और यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया था। उनके निर्देशों के अनुपालन में लोक निर्माण विभाग ने प्राथमिकता के आधार पर सड़कों की मरम्मत के कार्य शुरू कर दिए हैं। लोक निर्माण विभाग ने अंबिकापुर में महामाया चौक से लरंग साय चौक तक बीटी पैच मरम्मत का काम प्रारंभ किया है। सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों और गड्ढों को दुरुस्त कर आवागमन सुगम बनाने पर जोर दिया जा रहा है। विभाग स्वीकृत संधारण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने तेजी से काम कर रहा है। मरम्मत पूरी होने से वाहन चालकों और आम नागरिकों को सड़क के गड्ढों से होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। साथ ही आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकेगा। विभाग द्वारा अन्य स्वीकृत संधारण कार्यों को भी तय समय-सीमा में पूरा करने आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

शुक्ल का आकस्मिक निधन छत्तीसगढ़ के मीडिया जगत के लिए अपूरणीय क्षति

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय तथा भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग ने भारतीय सूचना सेवा के वरिष्ठ अधिकारी तथा आकाशवाणी रायपुर के समाचार सम्पादक विकल्प रंजन शुक्ल के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि आकाशवाणी रायपुर के समाचार संपादक विकल्प शुक्ल के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायी और स्तब्ध करने वाला है।

श्री शुक्ल एक कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी, प्रखर पत्रकार और सरल व मिलनसार स्वभाव के धनी व्यक्तित्व थे। उन्होंने आकाशवाणी के माध्यम से जन-जन तक निष्पक्ष और सही सूचनाएँ पहुँचाने में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।

बेटे के इलाज के लिए पिता लगा रहे सरकारी दफ्तरों के चक्कर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के धुरकोट निवासी 10 वर्षीय रिमोन टंडन एक गंभीर बीमारी से जूझ रहा है। जिस उम्र में बच्चों को स्कूल जाना चाहिए, दोस्तों के साथ खेलना चाहिए और अपने भविष्य के सपने बुनने चाहिए, उस उम्र में रिमोन को बेहतर इलाज की जरूरत है। रिमोन Isolated Growth Hormone Deficiency 1A नामक बीमारी से पीड़ित है। उसके पिता अजय कुमार टंडन अपने बेटे के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की उम्मीद लगाए हुए हैं। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत मदद के लिए आवेदन किया गया है। वहीं, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने भी संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर प्रकरण को जल्द स्वीकृति देने का अनुरोध किया है। परिवार को अब भी आर्थिक सहायता मिलने का इंतजार है। अजय कुमार टंडन अपने बेटे रिमोन के इलाज के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत आर्थिक मदद के लिए आवेदन किया गया है। बेटे के इलाज की उम्मीद में पिता सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं, ताकि उनके बच्चे को बेहतर उपचार मिल सके। अजय कुमार टंडन बताते हैं कि एक पिता के लिए अपने बच्चे को बीमारी से जूझते देखना कितना मुश्किल होता है, यह वही समझ सकता है, जो इस दर्द से गुजर रहा हो। अजय बताते हैं कि बच्चे को दिल्ली एम्स लेकर गए थे।

कांग्रेस सांसद और जेएनयू के बर्खास्त प्रोफेसर एकोइजम के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा ने किया राजीव भवन का घेराव

रायपुर ■ दैनन्दिनी



भारतीय जनता महिला मोर्चा ने आज रायपुर स्थित कांग्रेस भवन का घेराव किया. यह विरोध-प्रदर्शन जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) से बर्खास्त प्रोफेसर कांग्रेस सांसद डॉ. अंगोम्चा बिमोल एकोइजम के खिलाफ किया गया, जिसमें रायपुर महापौर मीनल चौबे के अलावा बड़ी संख्या में बीजेपी महिला मोर्चा की पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रही. बता दें कि कांग्रेस के लोकसभा सांसद और जवाहर लाल नेहरू के प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम को यूनिवर्सिटी ने बर्खास्त कर दिया, जब एक इंटरनल कमेटी ने उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच के बाद उन्हें कड़ी सजा देने की सिफारिश की थी. सूत्रों के मुताबिक, 11 महिला छात्राओं ने यूनिवर्सिटी की इंटरनल कमेटी के समक्ष प्रोफेसर के खिलाफ दुर्व्यवहार की शिकायत दर्ज कराई थी. अंगोमचा बिमोल अकोइजम इनर मणिपुर से सांसद हैं, वे जेएनयू के सामाजिक व्यवस्था अध्ययन केंद्र में प्रोफेसर पद पर तैनात थे.

जेएनयू की कुलपति शांतिश्री डी पंडित ने सेवा नियमों के मुताबिक उनकी सेवा समाप्त करने का आदेश जारी किया है. आदेश में यह कहा गया, "उचित प्रक्रिया का पालन करने और सभी उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद व इंटरनल कमेटी की रिपोर्ट, यूनिवर्सिटी के सामाजिक विज्ञान संकाय के सामाजिक प्रणाली अध्ययन केंद्र के प्रोफेसर अंगोलमचा बिमोल अकोइजम को तत्काल प्रभाव से यूनिवर्सिटी की सेवाओं से बर्खास्त किया जाता है."

IAS तंबोली अय्याज फकीरभाई बने IRDAI के कार्यकारी निदेशक

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ कैडर के 2009 बैच के आईएएस तंबोली अय्याज फकीरभाई की भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण में कार्यकारी निदेशक के पद पर नियुक्ति की गई है. यह नियुक्ति वित्तीय सेवा विभाग के अंतर्गत पदभार ग्रहण करने की तिथि से पांच वर्ष के संयुक्त कार्यकाल या अगले आदेश तक प्रभावी होगी. डॉक्टर तंबोली अय्याज फकीर भाई का जन्म 23 दिसंबर 1981 को महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती तहसील के सोमेश्वर नगर गांव में हुआ था. उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में यूपीएससी 75 वीं रैंक के साथ क्रैक किया है. डॉक्टर तंबोली अयाज फ़क़ीर भाई का जन्म हुआ. यह गांव डॉक्टर तंबोली अय्याज़ का ननिहाल है. यहां स्थित क्वापरेटिव शुगर फैक्ट्री में इनके नाना काम करते थे. डाक्टर अय्याज का मूल गांव मुखरी है, जो पुणे जिले के सिरूर तहसील में आता है. गांव के बाजू



में ही जातेगांव है, जहां इनके पिता प्रायमरी शिक्षक थे. डॉ. तंबोली अय्याज ने नौवीं से बारहवीं की पढ़ाई सिरूर से की. मैथ्स के साथ साइंस की पढ़ाई करने वाले तंबोली अय्याज फ़क़ीर भाई ने 12वीं के बाद इंजीनियरिंग के कोर्स में एडमिशन लिया. तीन माह तक इंजीनियरिंग की पढ़ाई की. इसके बाद उन्होंने एमबीबीएस में प्रवेश ले लिया. 2006 में उन्होंने पुणे से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की.

इंस्पायर अवार्ड योजना से छत्तीसगढ़ के 80 हजार नवाचारी विचारों को मिला मंच

राष्ट्रीय स्तर पर चयनित विद्यार्थियों का सम्मान

रायपुर ■ दैनन्दिनी



शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि इंस्पायर अवार्ड योजना बच्चों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। छत्तीसगढ़ के लगभग 40 चयनित विद्यार्थियों को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने नए विचारों पर काम करने और आविष्कारों को समाज के लिए उपयोगी बनाने का आह्वान किया। रायपुर के बीटीआई ग्राउंड परिसर स्थित एससीआरटी भवन के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई मौलिक प्रतिभा होती है। जरूरत उसे पहचानने और आगे बढ़ने के लिए उचित अवसर देने की है। ड्रोन तकनीक, सौर ऊर्जा और दैनिक जीवन में उपयोगी आविष्कारों का उदाहरण देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को नए प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ से लगभग 80 हजार नवाचारी विचार सामने आए हैं। मंत्री ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा बच्चों की प्रतिभा निखारने में सहयोग देने वाले अभिभावकों और शिक्षकों के प्रति आभार जताया। शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को नवाचार, रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। नवाचार केवल नई चीजों का आविष्कार करना नहीं, बल्कि पुराने कार्यों को नए और बेहतर तरीके से करना भी है। विद्यार्थियों को प्रयोग करने, गलतियों से सीखने और अपनी क्षमता पर विश्वास रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सफलता का आधार सामाजिक या भौगोलिक पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि मेहनत, सोच और योग्यता है। भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम है, जबकि वास्तविक महत्व विषय की समझ और ज्ञान का है। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से चयनित 40 विद्यार्थियों के साथ जुलाई में इंस्पायर मानक प्रतियोगिता के तहत जापान जाने का अवसर पाने वाले राज्य के पांच प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। जापान से लौटे रमन दास मानिकपुरी, समीक्षा साहू, सुनयना और शैयाद अली ने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर लोक शिक्षण विभाग के संचालक ऋतुराज रघुवंशी, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को मिलता है अवसर

इंस्पायर-मानक अवार्ड योजना केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के सहयोग से संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता विकसित करना है। योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को अपने मौलिक विचारों पर आधारित प्रोजेक्ट या मॉडल तैयार करने के लिए 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इससे उन्हें जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है।

टी 20 मैच की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने 16, 18 एवं 20 अक्टूबर को राजधानी के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने वाले इंडिया-जिम्बाब्वे टी 20 मैच की तैयारियों को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के साथ बैठक ली।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए महत्वपूर्ण आयोजन है। पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाए तथा सामानों की ओवररेटिंग न हो। पुलिस प्रशासन से समन्वय कर सुरक्षा एवं ट्रैफिक के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। उन्होंने कहा कि मैदान में खिलाड़ियों के साथ दर्शकों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित रहें। प्रशासन की एसओपी का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। आपदा के समय क्या किया जाए, इसकी कार्ययोजना पहले से तैयार रखें। डॉ. सिंह ने कहा कि आग से बचाव के लिए आवश्यक उपकरणों का अनिवार्य रूप से इंतजाम किया जाए तथा जिला सेनानी से समन्वय स्थापित कर उपकरणों का पूर्व परीक्षण कर लिया जाए। सभी दर्शकों की सुविधाजनक आवाजाही सुनिश्चित की जाए और मेडिकल सुविधा का अनिवार्य रूप से इंतजाम किया जाए क्रिकेट संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस बार केवल ऑनलाइन माध्यम से टिकट की बिक्री की जा रही है। बैठक में नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक आकांक्षा खलखो, रायपुर ग्रामीण एएसपी अभिषेक झा, एडीएम उमाशंकर बंदे, छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ एवं बीसीसीआई के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ब्रजेश शुक्ला द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। संपादक- ब्रजेश शुक्ला, RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com